वर्षः 7- अंकः 188, मुंबई, गुरुवार, 21 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

नवरात्री में प्रसाद के लिए
मलाई पेड़ा ₹ 600/- 520/-
काजू कतरी ₹ 900/- 780/-
खोपरापाक ₹ 540/- 440/-
बूंदी (शुध्द घी) ₹ 360/- 260/-
21.09 to 29.09.2017
शुध्द घी की जलेबी ₹480/-
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
www.mmmithaiwala.com

बेटी बचाओ...

निकाह के नाम पर लड़कियों का सौदा

अरब से आए 8 शेख हैदराबाद में गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने निकाह के बहाने नाबालिग लड़कियों का सौदा कर उन्हें विदेश ले जाने वाले 8 शेखों को गिरफ्तार किया है।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

हिन्दू-मुस्लिम में पैदा न करें दरार

दुर्गा विसर्जन पर ममता सरकार को हाईकोर्ट की फटकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विसर्जन को लेकर चल रहे विवाद के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। बुधवार को कोर्ट ने सरकार पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि, आप दो समुदायों के बीच दरार पैदा क्यों कर रहे हैं। दुर्गा पूजन और मुहर्रम को लेकर राज्य में कभी ऐसे स्थिति नहीं बनी है। उन्हें साथ रहने दीजिए। अब इस मामले में कोर्ट आज अपना फैसला सुनाएगा।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

जम्मू कश्मीर में बड़ा आतंकी हमला

दो जवान शहीद, 5 घायल

जम्मू। जम्मू कश्मीर में जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर स्थित जवाहर सुंरग के पास स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के दस्ते पर बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में एसएसबी के एक अधिकारी और एक जवान शहीद हो गए।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

मेक्सिको में विनाशकारी भूकंप

250 की मौत

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

उगाही मामले में दाऊद की भूमिका भी तलाशेगी पुलिस

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

मरीज को लगाया खाली ऑक्सीजन सिलेंडर

(समाचार पृष्ठ 8 पर)

बारिश ने धोया टीवी और फिल्मों की शूटिंग को

मुंबई। मॉनसून के बाद मुंबई में एक बार फिर भारी बारिश ने कहर बरपा दिया है। खतरे को देखते हुए मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक भारी बारिश की चेतावनी दी थी। बारिश के कारण हमेशा दौड़ती भागती दिखती मायानगरी की रफ्तार भी धीमी हो गई है। हर खास-ओ-आम इस बारिश की मार से परेशान है।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई में भारी बारिश से रनवे पर फिसला स्पाइसजेट का विमान

मुंबई। भारी बारिश के कारण आज दूसरे दिन मुंबई हवाईअड्डे पर विमान सेवाएं प्रभावित हुईं। मुख्य रनवे (09/27) पर मंगलवार रात स्पाइसजेट का एक विमान फिसल जाने से समस्या और बढ़ गई। इसके कारण निजी हवाईअड्डा परिचालक को परिचालन द्वितीयक रनवे पर स्थानांतरित करना पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि 183 यात्रियों को ला रहा स्पाइसजेट बोइंग 737 विमान बारिश प्रभावित मुंबई में हवाईअड्डे पर उतरते समय गीले रनवे के कारण फिसल गया और कीचड़ में फंस गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल

लिया गया है।

एक हवाईअड्डा अधिकारी ने बताया कि मुख्य रनवे पर स्पाइसजेट विमान के फंसे होने के कारण आज सुबह तक कम से कम 56 विमानों के मार्ग को विभिन्न हवाईअड्डों पर परिवर्तित किया गया। बारिश के कारण कई विमानन कंपनियों ने यात्रियों के लिए यात्रा परामर्श जारी किए।

इंडिगो ने एक ट्वीट में कहा, यात्रा परामर्श: मौसम में सुधार हुआ है लेकिन मुंबई जाने या मुंबई से आने वाली उड़ानें कल रात के मौसम के कारण अब भी प्रभावित हैं। द्वितीयक रनवे (14/32) से आंशिक परिचालन किया जा रहा है लेकिन हवा के कारण विमानों के रवाना होने और पहुंचने की गति धीमी है।

मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) के प्रवक्ता ने कहा, आगमन के लिए आरडब्ल्यूवाई 14 और प्रस्थान के लिए आरडब्ल्यूवाई 32 का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्पाइसजेट विमान अब भी रनवे पर फंसा हुआ है और इसे किनारे पर लाने के प्रयास जारी हैं। देश के दूसरे सबसे व्यस्त मुंबई हवाईअड्डे में प्रति घंटे 48 आवागमन के औसत से प्रति दिन करीब 930 विमानों का परिचालन होता है।

बारिश ने रुलाया तो टैक्सी वालों ने भी वसूला कई गुना किराया

मुंबई। लगातार हो रही बारिश एक बार फिर मुंबई के लोगों के लिए आफत का सबब बन गई। मंगलवार को दिन भर हुई बारिश के कारण मुंबई के तमाम लोग सड़कों पर भरे पानी और यातायात में हो रही देरी से जूझते रहे। जानकारी के मुताबिक मुंबई के कई इलाकों में मंगलवार को सितंबर के महीने में सबसे ज्यादा बारिश होने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया। बारिश के कारण मौसम विभाग द्वारा बुधवार को दोपहर के वक्त हाई टाइड की चेतावनी जारी की गई है। इस चेतावनी के बाद राज्य सरकार द्वारा छात्रों की सुरक्षा के लिहाज से बुधवार को मुंबई के सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। इस बारे में बयान देते हुए महाराष्ट्र सरकार के शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े ने कहा कि सरकार द्वारा बुधवार को सभी स्कूल-कॉलेजों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। तावड़े ने कहा कि इस छुट्टी की भरपाई में दिवाली के दौरान एक दिन की छुट्टी कम की जाएगी। तावड़े द्वारा की गई इस घोषणा के बाद शहर के स्कूलों द्वारा अभिवावकों को इस बारे में मैसेज के जरिए सूचना पहुंचाई गई।

बारिश के दौरान यात्रियों को भी काफी फजीहत का सामना करना पड़ा। बारिश के बीच टैक्सी ड्राइवरों ने यात्रियों से दो से तीन गुना तक किराया वसूला। इसके अलावा बारिश के बीच लोकल ट्रेनों में भी भारी भीड़ दिखी। लोगों के ऑफिस से जल्दी घर जाने के कारण शाम 4 बजे ही सीएसटी स्टेशन पर भारी भीड़ हो गई जिसके कारण कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्कूल में परेशान किए जा रहे 14 साल के बच्चे ने की खुदकुशी की कोशिश

मुंबई। नालासोपरा के स्कूल में परेशान किए जा रहे 14 साल के बच्चे ने अपनी जान देने की कोशिश की। उसके भाई ने उसे बचा तो लिया पर बच्चा अभी गंभीर हालत में है। बच्चे का परिवार मलाड में शिफ्ट हुआ था जिसके बाद जुलाई मे उसने यह स्कूल जॉइन किया था। सोमवार को जब वह स्कूल से वापस आया तो उसके माता-पिता बाजार गए थे। खुद को घर में अकेला पाकर उसने फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। तभी उसका बड़ा भाई विवेक वहां पहुंच गया और उसने बच्चे की जान बचा ली। बच्चे का इलाज अस्पताल में चल रहा है और डॉक्टरों का कहना है कि अगले 48 घंटे काफी अहम होंगे। बच्चे के माता-पिता कहना है कि जबसे उसने नालासोपारा में स्कूल जॉइन किया था तबसे वह परेशान था। कुछ बच्चे उसे मारते-पीटते, उसका खाना छिपा देते, पानी गिरा देते। वह उसका बैग और किताबें भी फेंक देते थे। स्कूल के सेक्रेटरी एसपी सिंह ने बताया कि एक महीने पहले बच्चे ने अपने माता-पिता से सारी बात बताई। उन्होंने स्कूल प्रशासन से मिलकर इसकी शिकायत की। प्रशासन ने भी संज्ञान लेते हुए बच्चों को फटकार लगाई। लेकिन इससे कुछ असर नहीं हुआ।

जहां एक ओर बच्चे के परिवार का आरोप है कि बार-बार शिकयत करने पर भी स्कूल ने कोई कदम नहीं उठाया

वहीं स्कूल सेक्रेटरी का कहना है कि पहली बार डांट लगाने के बाद से बच्चे को घरवालों कोई शिकायत ही नहीं की और उन्हें लगा कि अब सब ठीक हो गया है।

शुक्रवार को फिर चोट के साथ घर पहुंचे बच्चे ने बताया कि उन्हीं शैतान बच्चों ने उसे नोचा है। इसकी शिकायत घरवालों ने स्कूल में की तो क्लास में उन बच्चों से अलग बैठा दिया। सिंह ने बताया कि बच्चे की खुदकुशी के प्रयास की खबर मिलने पर उन्होंने उन बच्चों से पूछताछ की तो उन्होंने बच्चे को परेशान करने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस ने हादसे का केस दर्ज किया है और स्कूल प्रशासन को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया है। बच्चे के परेशान करने वालों की पहचान करने पर कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी को लगाया HIV+ मां का खून, गिरफ्तार

मुंबई। एक बेहद जघन्य घटना में एक आदमी ने अपनी पत्नी को इंजेक्शन से अपनी मां का एचआईवी पॉजिटिव खून दे दिया। इससे महिला का गर्भपात हो गया। बांद्रा-कुर्ला पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिफ्तार कर लिया है। अभिमन्यु कांबले और अनीता की मुलाकात 2013 में हुई थी और एक साल बाद दोनों ने शादी कर ली। हालांकि जल्द ही अनीता ने अभिमन्यु के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराई और तलाक की अर्जी भी दाखिल कर दी। जिस दिन घटना हुई पति-पत्नी कोर्ट में मौजूद थे। वहां दोनों के बीच बहस हो गई। बाद में अनीत को लगा कि उसको कुछ चुभा है। उसने पाया कि वह

एक इंजेक्शन था और पास में उसका पति भी था। सीनियर इंस्पेक्टर कल्पना गाडेकर ने बताया कि पूठताछ में अभिमन्यु ने उसने एचआईवी पॉजिटिव मां का खून इंजेक्शन के जरिए अनीता को दिया था। जांच में भी यही बात सामने आई है। अनीता, जो 2 महीने की गर्भवती थी, उसका गर्भपात हो गया। पुलिस ने अभिमन्यु को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी नर्स बहन को भी हिरासत में लिया गया है जिसने खून निकालने में मदद की थी।

पहले राह चलते महिला को छेड़ा, फिर घर पहुंचकर धमकाया

नवी मुंबई। राह चलती विवाहिता को छेड़ने, अपनी कार में जबरन 'लिफ्ट' देने और बाद में विवाहिता के घर जाकर उन्हें धमकाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध रबाले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है

रबाले के तलवली गांव निवासी विवाहिता अपने बच्चे के साथ घणसोली सेक्टर 9 स्थित ऑस्कर टावर के पास से अपने घर जा रही थी।

उसी समय उस मार्ग से थापा नाम का आरोपी अपनी कार से गुजर रहा था। थापा ने विवाहिता को देख अपनी कार को रोका और उनको घर छोड़ देने का प्रस्ताव दिया।

विवाहिता थापा की बात अनसुनी कर आगे बढ़ गई तो उसने महिला का हाथ पकड़ लिया और अपनी कार में जबरन बैठाने की कोशिश करने लगा। महिला के शोर मचाने पर वह वहां से अपनी कार सहित भाग गया।

जब महिला अपने घर पहुंची तो इसके कुछ समय बाद आरोपी अपने कुछ दोस्तों के साथ महिला के घर गया और महिला को धमकाने के बाद वहां से भी भाग गया। इस संदर्भ में पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुट गई है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उगाही मामले में दाऊद की भूमिका भी तलाशेगी पुलिस

मुंबई। भवन निमार्ता से उगाही मामले में डी-कंपनी से भी तार जुड़ रहे हैं। दाऊद इब्राहिम के छोटे भाई इकबाल कासकर की गिरफ्तारी के बाद कई नेताओं की मिलीभगत सामने आई है। ठाणे पुलिस अब इस मामले में दाऊद इब्राहिम की भूमिका की भी जांच करेगी। इकबाल को सोमवार देर शाम उसकी बहन हसीना पारकर के घर से गिरफ्तार किया गया था। उसके अलावा तीन और लोग भी गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें हसीना पारकर का देवर इकबाल पारकर, ट्रांसपोर्टर फनाडी और मोहम्मद यासीन ख्वाजा शामिल हैं।

ठाणे पुलिस मंगलवार को इकबाल कासकर को आठ दिन की पुलिस रिमांड पर लेने में सफल रही। उससे पूछताछ में कई बड़े राज खुलने की संभावना है। पुलिस का कहना है कि इकबाल पिछले पांच साल से दाऊद के नाम पर उगाही का रैकेट चला रहा था। पुलिस के लिए यह जांच का विषय है कि

इस रैकेट में परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से स्वयं दाऊद भी शामिल था या नहीं? इकबाल से प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को कुछ राजनीतिक लोगों द्वारा इकबाल की मदद करने की बात भी सामने आई है। इनमें कुछ सभासद भी शामिल हैं।

मोहम्मद यासीन ख्वाजा नशीली दवाओं का धंधा भी करता रहा है। इसलिए पुलिस इकबाल के ड्रग रैकेट से जुड़ाव की भी जांच करेगी। यदि इकबाल के उगाही गिरोह में कुछ और लोगों के शामिल होने के सुबूत मिले तो पुलिस उस पर महाराष्ट्र संगठित अपराध निरोधक कानून (मकोका) के तहत कार्रवाई करने से भी नहीं हिचकेगी। ऐसा होने पर इकबाल को छह माह तक जमानत नहीं मिलेगी। साथ ही, पुलिस को पूछताछ के लिए अधिक वक्त भी मिल जाएगा। ठाणे पुलिस को पता चला है कि इकबाल हफ्ता उगाही के कम से कम 15 मामलों में शामिल रहा है।

डेंगू से पीड़ित 15 डॉक्टर

मुंबई। शहर के सबसे बड़े केइएम अस्पताल में मच्छरों को कंट्रोल करने में असफल रहने पर बीएमसी की ओर से चेतावनी जारी की गयी है। पिछले सप्ताह कीटनाशक विभाग ने एक निरीक्षण के बाद शुक्रवार को एक चेतावनी वाला नोटिस भेजा। अस्पताल परिसर में तिरपाल शीट्स पर जमा हुए पानी में डेंगू मच्छरों का प्रजनन पाया गया। सूत्रों के अनुसार, अस्पताल में उन्हें अनेकों ऐसे जगह मिले जहां मच्छरों का प्रजनन देखा गया। विशेषकर छत और नालों के अलावा तिरपाल पर जमा हुए पानी में देखा गया। बीएमसी के कीटनाशक विभाग के सीनियर अधिकारी ने बताया, हमने अस्पताल को वार्निंग लेटर भेजा है। भारी बारिश के कारण जगह जगह पानी जमा हैं, जहां डेंगू मच्छरों को पनपने के लिए उपर्युक्त जगह मिल गयी। और ये 400 मीटर की दूरी तक जा सकते हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि पत्र मिलने के 24 घंटों के भीतर उन्होंने जमा हुए पानी को निकाल दिया। कॉलेज के डीन व बड़े अस्पतालों के डायरेक्टर डॉ अविनाश सुपे ने बताया, पत्र हमारे सिविल डिपार्टमेंट को शुक्रवार को मिला, जिसपर उन्होंने एक दिन के भीतर प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई की और आवश्यक सफाई करवाया।

क्या बुलेट ट्रेन के कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

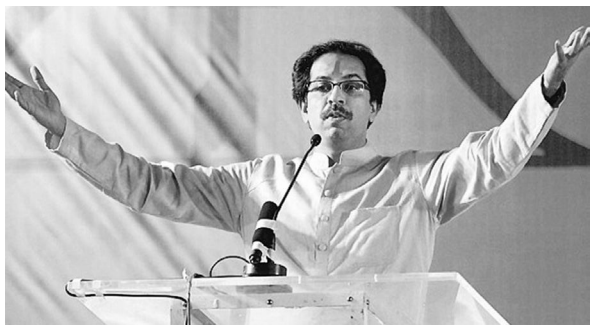

मुंबई। शिवसेना ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ने पर एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उसने पूछा है कि दुनिया में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद ईंधन की कीमतों में वृद्धि क्या बुलेट ट्रेन के लिए जापान से लिए गए कर्ज के ब्याज चुकाने के लिए है। दो दिन पहले ही केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ राजग की घटक शिवसेना ने कहा था कि ईंधन की बढ़ी कीमतें देश में किसानों की आत्महत्या का मुख्य कारण है। अब बुधवार को पार्टी के मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया है कि जो लोग सरकार में हैं, वे महंगाई पर बात नहीं करना चाहते और न ही चाहते हैं कि दूसरे इस पर कुछ कहें। ईंधन की कीमतें बढ़ने की मार आम आदमी झेल रहा है। अगर सरकार में बैठे लोग पिछले चार महीनों के दौरान ईंधन की कीमतों में 20 बार की बढ़ोतरी का समर्थन करते हैं, तो यह सही नहीं है। शिवसेना ने कहा है कि संप्रग के शासन में कच्चे तेल का दाम 130 डॉलर प्रति बैरल था, लेकिन इसके बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमत कभी भी क्रमशः 70 और 53 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा नहीं हुई। इसके बावजूद विपक्ष बढ़ी कीमतों को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन करता था। लेकिन आज कच्चे तेल का दाम 49.89 डॉलर प्रति बैरल है, इसके बावजूद लोगों को कम कीमतों का फायदा नहीं मिल रहा है। इसके विपरीत पेट्रोल 80 रुपये और डीजल 63 रुपये प्रति लीटर की दर से बेचा जा रहा है। उसने कहा कि कांग्रेस के शासन में रसोई गैस की कीमत 320 रुपये प्रति सिलेंडर से अधिक नहीं हुई। लेकिन आज एक सिलेंडर की कीमत 785 रुपये है। एक तरफ धनी लोगों को मिलेगी बुलेट ट्रेन तो दूसरी तरफ आम आदमी को बैलगाड़ी से यात्रा करना पड़ेगा क्योंकि वह वाहन का खर्च नहीं उठा सकता।

बीच मझधार में फंसी नाव

मछुआरों ने पानी में कूद बचाई जान

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी बारिश के बीच समुद्र की लहरों में दो अलग-अलग जगहों पर मछुआरों की नाव फंस गई। पहला मामला रत्नागिरी जिले का है और दूसरा मामला मुंबई से 200 किलोमीटर दूर समुद्र के बीच का है। दोनों ही मामलों में नाव में फंसे मछुआरों को सेफ कर लिया गया है। पहला मामला महाराष्ट्र के कोस्टल रत्नागिरी इलाके का है। यहां मंगलवार को हुई तेज बारिश के बाद

मछली पकड़ने समुद्र में गए 12 मछुआरे लहरों के बीच फंस गए। तेज हवा के कारण उनकी नाव ने दिशा बदल ली। समुद्र में नाव डोलने लगी और अनियंत्रित हो गई। इसके बाद पानी नाव में घुसने लगा। लहरों के रुख को देख मछुआरों को ऐसा लगा मानो उनकी नाव पलट जाएगी। इसके बाद जान बचाने के लिए सभी मछुआरों ने पानी में छलांग लगा दी। घटना स्थल से समुद्र तट की दूरी ज्यादा नहीं थी इसलिए सभी मछुआरे नाव को मझधार में छोड़ किनारे आ गए। इस दुर्घटना में सभी मछुआरे सुरक्षित हैं।

कई दिन से समुद्र में फंसे थे 14 मछुआरे

दूसरी घटना मुंबई से 200 किलोमीटर दूर की है। मुंबई कोस्ट गार्ड को 17 सितंबर को यह जानकारी मिली कि, एक नाव पर सवार 14 मछुआरे कई दिनों से पानी में फंसे हुए हैं। तेज लहरों के कारण उनका इंजन खराब हो गया है और उनकी नाव पानी में फंसी हुई है। मूसलाधार बारिश के कारण कोई भी उनकी हेल्प के लिए नहीं पहुंच नहीं पा रहा था। इसके बाद बुधवार को कोस्ट गार्ड ने एक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए आज सभी मछुआरों को सही सलामत बोट से निकाला। कोस्टगार्ड के मुताबिक, लो विजिबिलिटी और भारी बारिश के कारण नाव तक पहुंचने में इतना टाइम लगा।

तेज रफ्तार वाली मुंबई-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस शीघ्र

मुंबई। रेलवे मुंबई-दिल्ली मार्ग पर बिल्कुल नई और पहले से तेज रफ्तार वाली राजधानी ट्रेन शुरू करने की योजना बना रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह नई राजधानी एक्सप्रेस दिवाली तक शुरू हो सकती है। यह मुंबई में बांद्रा से दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन स्टेशन के बीच चलेगी और अपना सफर 13 घंटे में तय करेगी। फिलहाल दिल्ली और मुंबई के बीच दो राजधानी ट्रेन चलती हैं। अगस्त क्रांति राजधानी दोनों शहरों के बीच की 1377 किमी की दूरी करीब 17 घंटे पांच मिनट में तय करती है। यह ट्रेन 80 किमी प्रति घंटा की औसत रफ्तार से चलती है। मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस दोनों शहरों के बीच की 1386 किमी के सफर को करीब 15 घंटे और 35 मिनट में तय करती है। ये दोनों ट्रेन बांद्रा रेलवे स्टेशन पर नहीं रुकती हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

स्वच्छता अभियान की गति

स्वच्छ भारत अभियान को और गति देने के लिए खुद प्रधानमंत्री के स्तर पर लगातार जैसे प्रयास किए जा रहे हैं उससे यदि कुछ स्पष्ट होता है तो यही कि वह इस अभियान को एक जन आंदोलन का रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह देश को साफ-स्वच्छ बनाने के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए आए दिन कुछ न कुछ करते या कहते दिखते हैं। वह इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए न केवल आम लोगों को प्रेरित कर रहे हैं, बल्कि अपने सहयोगी नेताओं को भी। इसी सिलसिले में हाल में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का जो आयोजन किया गया उनके विजेताओं को गांधी जंयती के दिन सम्मानित करने की तैयारी हो रही है। चूंकि तीन वर्ष पहले दो अक्टूबर के दिन ही स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई थी इसलिए इसका भी आकलन किया जाना चाहिए कि आखिर इन तीन सालों में यह अभियान कितना आगे बढ़ा? तीन साल का लेखा-जोखा कैसी भी तस्वीर सामने लाए, राजनीतिक नेतृत्व और साथ ही आम जनता को यह समझना होगा कि देश को साफ-सुथरा बनाने का लक्ष्य न तो कोई राजनीतिक कार्यक्रम है और न ही किसी दल विशेष का अभियान। देश को साफ-सुथरा बनाना हर किसी का उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य की पूर्ति तभी होगी जब आम लोग अपने आसपास साफ-सफाई के लिए सजग एवं सक्रिय होंगे। निःसंदेह सरकार की तमाम कोशिशों के चलते आम जनता के स्तर पर एक हद तक साफ-सफाई के प्रति सजगता का भाव तो नजर आने लगा है, लेकिन अभी वैसी सक्रियता का परिचय नहीं दिया जा रहा है जो अपेक्षित ही नहीं, बल्कि आवश्यक भी है। साफ-सफाई के प्रति सचेत रहना केवल इसीलिए जरूरी नहीं कि इससे हमारे सार्वजनिक स्थल गंदगी से मुक्त दिखेंगे। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि इससे ही पर्यावरण की रक्षा हो सकेगी और इस तरह हमें अनेक गंभीर समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। गंदगी के कारण रह-रहकर सामने आने वाली बीमारियां उत्पादकता पर बुरा असर डालने के साथ ही देश की छवि को भी खराब करने का काम करती हैं। अब साफ-सफाई को जीवन शैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि पर्यावरण की रक्षा का सवाल लगातार गंभीर होता जा रहा है। यह अच्छा हुआ कि सर्दियां करीब आते ही केंद्र सरकार ने उन राज्यों को सचेत किया जहां के किसान फसलों के अवशेष यानी पराली जलाते हैं, लेकिन वायु प्रदूषण की रोकथाम केवल पराली जलाने पर रोक लगाकर ही नहीं की जा सकती। पराली से खाद या फिर धुआं रहित जलाऊ ईंधन बनाने के साथ-साथ अन्य अनेक उपाय भी करने होंगे। ये उपाय सफल तब होंगे जब जनता उनकी उपयोगिता समझेगी। जिस तरह वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले सभी कारणों का निवारण करने की जरूरत है वैसी ही जरूरत जल प्रदूषण की रोकथाम के मामले में भी है। जलस्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। प्रधानमंत्री वर्ष 2022 तक एक ऐसे नए भारत का निर्माण करना चाहते हैं जो गंदगी और कचरे से मुक्त हो। बिना जन सहयोग इस लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं। विभिन्न देशों के उदाहरण भी यही कहते हैं कि साफ-सफाई का अभियान केवल शासन-प्रशासन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

अदालतों में हाजिरी लगाता शासन

स्कूलों में फीस का मसला पहले से ही अदालतों के समक्ष पहुंच चुका था। अब स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा का सवाल भी अदालतों तक पहुंच गया। ऐसा केंद्र और राज्य सरकारों की नाकामी के कारण ही हुआ, क्योंकि गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में एक छात्र की हत्या के बाद यह पता चल रहा कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस नियम-कानून ही नहीं और जो हैं भी वे अपर्याप्त और निष्प्रभावी हैं। रेयान स्कूल में छात्र की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के लिए दिशानिर्देश बनाने के आदेश दिए हैं। मामले की गंभीरता देख सरकार ने भी विभिन्न विभागों के सचिवों को मिलाकर एक समिति गठित कर दी है। ऐसा नहीं है कि इसके पहले स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय करने की जरूरत महसूस नहीं हुई हो। ऐसी जरूरत न जाने कितनी बार महसूस की गई, लेकिन राज्य सरकारों और साथ ही केंद्र सरकार के स्तर पर कुछ भी नहीं किया गया। अब ऐसा लग रहा है जैसे सभी को रेयान स्कूल की घटना का इंतजार था? पिछले वर्ष जनवरी में इसी स्कूल की दिल्ली शाखा में एक छात्र की टैंक में गिरकर मौत हो गई थी। उस मौत खबर भी सुर्खियां बनी थीं, लेकिन किसी ने परवाह नहीं की। नतीजा यह रहा कि अभी तक पता नहीं चल पाया कि इस बच्चे की मौत कैसे हुई? हाल में दिल्ली से सटे गाजियाबाद में भी एक छात्र की संदिग्ध हालत में मौत हुई। इस छात्र के माता-पिता धरना-प्रदर्शन करके जब हार गए तो वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा है। ये महज अपवाद के तहत आने वाले मामले नहीं हैं। बहुत दिन नहीं हुए जब बेंगलुरु में एक के बाद एक स्कूलों में बच्चों के यौन शोषण के मामले सामने आए थे। अभिभावकों ने तमाम धरना-प्रदर्शन किया, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहा।

सरकारी अथवा निजी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा शासन एवं प्रशासन के अधिकार क्षेत्र वाला मसला है, लेकिन अब इस मसले को भी सुप्रीम कोर्ट को देखना पड़ रहा है। यह शासन-प्रशासन के अधिकार क्षेत्र वाला एकलौता ऐसा मसला नहीं जो सुप्रीम कोर्ट के सामने पहुंचा हो। इस तरह के न जाने कितने मामले हैं जो उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचते रहते हैं। राज्यों और केंद्र सरकार के वकील अब आए दिन अदालतों में खड़े दिखते हैं। निःसंदेह इसका एक कारण अदालतों की हर मामले को सुनने और सुलझाने की प्रवृत्ति भी है। इस प्रवृत्ति को इसलिए और बढ़ावा मिल रहा, क्योंकि कुछ लोगों ने बात-बात पर अदालत का दरवाजा खटखटाना अपनी आदत बना लिया है। कई लोग ऐसे हैं जो करीब-करीब हर दिन कोई न कोई जनहित याचिका लिए अदालत के समक्ष खड़े मिलते हैं। कई बार तो नीतिगत मसलों पर भी जनहित का सवाल उठाकर अदालत का दरवाजा खटखटा दिया जाता है। रोहिंग्या शरणार्थियों के बारे में सरकार ने इतना ही कहा था कि वह उन्हें बाहर करेगी, लेकिन वह ऐसा कुछ करने का उपक्रम करती कि उसके पहले ही वकीलों की एक टोली सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। यह अदालती सक्रियता का दुर्लभ उदाहरण है। बीते कुछ समय से तो हालत यह है कि कोई कानून बनता बाद में है, उसे अदालत में चुनौती देने की तैयारी पहले कर ली जाती है। आधार कानून तो अदालत के समक्ष है ही, आधार संबंधी बिल को धन विधेयक में बदलने का फैसला भी अदालत के निर्णय की बाट जोह रहा है। ताजा-ताजा बना रेरा कानून भी अदालतों के समक्ष हाजिर है, लेकिन हर नियम-कानून और शासन-प्रशासन के फैसलों के अदालतों के समक्ष जाने के लिए केवल याचिकाबाज लोगों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इस स्थिति के लिए एक बड़ी हद तक खुद

सरकारें और उनका प्रशासन भी जिम्मेदार है। भले ही सरकारें इस बात से परेशान हो गई हों कि न्यायपालिका उनके अधिकार क्षेत्र में अपना दखल बढ़ाती जा रही है, लेकिन उनके अधिकार क्षेत्र वाले मसले अदालतों के सामने जा रहे हैं तो उनकी अपनी गलतियों के कारण।

किसी को इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि कोई मामला अदालत में पहुंचने का मतलब उसका निस्तारण हो जाना है। यदि ऐसा होता तो गंगा न जाने कब साफ हो गई होती और हमारी पुलिस भी सुधर गई होती। पुलिस सुधार संबंधी सुप्रीम कोर्ट के सात सूत्रीय दिशानिदेर्शों पर दस साल बाद भी अमल नहीं हो पाया है और बीते दिनों जेलों में सुधार संबंधी 11 सूत्रीय दिशानिर्देश आ गए। जैसे सड़कों पर बने तमाम धर्मस्थल अभी भी अपने स्थान पर मौजूद हैं उसी तरह रात दस बजे के बाद सार्वजनिक स्थलों पर तेज ध्वनि वाले लाउडस्पीकर भी खूब सुनाई देते हैं। इसी तरह सरकारी बंगलों में तमाम अपात्र लोग भी अभी काबिज हैं। कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने क्रिकेट बोर्ड को रास्ते पर लाने की ठानी थी, लेकिन शायद ही किसी को यह लगता हो कि वह अपने मकसद में कामयाब है। जैसे लोगों के लिए यह समझना कठिन है कि क्रिकेट बोर्ड को कौन चला रहा है वैसे ही यह भी कि सुप्रीम कोर्ट की काले धन वाली समिति क्या कर रही है? भले ही सुप्रीम कोर्ट से आए दिन ऐसी खबर आती हो कि उसने इन्हें-उन्हें फटकारा, लेकिन सच यह है कि कुछ लोग वर्षों तक अदालत-अदालत खेलते रहते हैं। एक नहीं अनेक मामले यही रेखांकित करते हैं कि अदालतें भी समस्या का समाधान करने में नाकाम हैं। इस स्थिति का मूल कारण है प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ न्यायिक सुधारों की अनदेखी। जब तक इन दोनों सुधारों की अनदेखी की जाती रहेगी, आम लोगों की समस्याएं बढ़ती रहेंगी। विडंबना यह है कि जैसे सरकार प्रशासनिक सुधारों की दिशा में बढ़ने के लिए तैयार नहीं दिखती वैसे ही सुप्रीम कोर्ट भी न्यायिक सुधारों के प्रति तत्पर नहीं नजर आता। सुप्रीम कोर्ट यह तो चाहता है कि चुनाव आयुक्तों और केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की नियुक्तियां पारदर्शी तरीके से हों, लेकिन ऐसी चाहत न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में नहीं दिखती। कहना कठिन है कि सुप्रीम कोर्ट को इसके लिए कैसे राजी किया जा सकता है कि वह न्यायपालिका में सुधार के लिए आगे बढ़े, लेकिन कम से कम सरकार और विशेष रूप से केंद्र सरकार को तो यह समझना चाहिए कि प्रशासनिक सुधारों की और अधिक समय तक अनदेखी करने का मतलब है खुद को समस्याओं से घेरना।

रोहिंग्या पर ममता की बातें

म्यांमार से भगाए गए रोहिंग्या मुस्लिमों को लेकर देश की सियासी जमातें अपने-अपने हिसाब से रोटियां सेंक रही हैं। रोहिंग्या मुस्लिमों के प्रति प्रेम जताने के लिए विरोध प्रदर्शन से लेकर कई अभियान चलाए जा रहे हैं। इन सबके बीच सोमवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि रोहिंग्या देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। वही मानवता व इंसानियत की बातें करते हुए अन्य सियासी दलों का अलग-अलग मत है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि सभी रोहिंग्या मुसलमान आतंकी नहीं हैं इसलिए इस मसले को मानवीय आधार पर भी देखा जाना चाहिए। सोमवार को राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री ने कहा-'केंद्र ने राज्य से रोहिंग्या लोगों की सूची मांगी है। मेरा मानना है कि सभी रोहिंग्या आतंकी नहीं हैं। उस समुदाय में कुछ लोग आतंकी हो सकते हैं, लेकिन उसमें आम लोग भी शामिल हैं।' ममता ने हालांकि यह भी कहा कि आतंकी गतिविधियों से किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। 'हर समुदाय में अच्छे-बुरे लोग होते हैं। हम किसी तरह की आतंकी गतिविधियों से समझौता नहीं कर सकते। अगर कोई आतंकी है तो उसके खिलाफ सरकार सख्त कदम उठाएगी, लेकिन आम लोगों को तकलीफ नहीं होनी चाहिए क्योंकि अगर उन्हें तकलीफ होगी तो मानवता पीड़ित होगी।' परंतु, यहां एक सवाल यह भी उठता है कि बंगाल में पहले से ही अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिये भरे हुए हैं। तीन वर्ष पहले बर्धमान के खागड़ागढ़ में हुए विस्फोट के बाद बांग्लादेशी आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिद्दीन (जेएमबी) के बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था, जिसमें एक दर्जन से अधिक बांग्लादेशी आतंकियों की गिरफ्तारी भी हुई थी। अब भी कई फरार हैं। ऐसे में रोहिंग्या को लेकर केंद्रीय एजेंसियों की आशंका स्वाभाविक है। बंगाल की स्थिति तो और भी गंभीर है। क्योंकि, पिछले तीस वर्षों में देश के भीतर जितने भी आतंकी हमले हुए हैं उनमें से अधिकांश का तार बंगाल से जुड़ता रहा है। कहा जाता है कि आतंकी संगठन बंगाल को ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल करता है। इसकी वजह भी है कि बंगाल से सीमा पर आना-जाना आसान है। जाली नोटों की तस्करी के मामले में भी बंगाल टॉप पर है। रोहिंग्या का बांग्लादेशी के साथ-साथ पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से भी लिंक रहा है। वहीं जेएमबी जैसे आतंकी संगठन का आइएस और अलकायदा जैसे खूंखार संगठनों से लिंक होने की बात भी कही जाती रही है। ऐसी स्थिति में बंगाल सरकार को भी समझना होगा कि हर रोहिंग्या शरणार्थियों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान काम नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सियासत नहीं होनी चाहिए।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
21 सितंबर, 2017

05

बीच सड़क पर मर्डर

15 दिन पहले कहा था–जान को है खतरा

जालना। यहां के मोदीखाना इलाके में एक व्यापारी की एक शख्स ने दिनदहाड़े धारदार हथियार से हत्या की। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। व्यापारी के घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे यह वारदात कैद हुई। बता दें कि कुछ दिन पहले इस व्यापारी ने पुलिस से कुछ लोगों से जान को खतरा होने की शिकायत दर्ज कराई थी। रियल इस्टेट का बिजनेस करने वाले नितिन कटारिया मंगलवार को अपने साथी के साथ खड़े थे। इसी समय एक शख्स बाइक से आया और उसने कटारिया की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया। नितिन कटारिया जान बचाने इधर उधर भागने लगे। हमलवार भी उनके पीछे भागा और उसने फिर सिर में वार किया। इसके बाद वह मौके से फरार हुआ। गंभीर रुप से घायल हुए कटारिया घर वालों ने तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित किया। उनके परिजन लाश को सदर पुलिस थाने ले गए। कटारिया की मौत की खबर मिलते ही शहर के सभी व्यापारी पुलिस थाने पहुंचे। बाद में शाम पुलिस अधीक्षक लता फड ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को आश्वासन देने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला हॉस्पिटल भेजा गया। पुलिस ने इस मामले में चार संदिग्ध आरोपियो को हिरासत में लिया है, उनसे पूछताछ की जा रही है।

15 दिन पहले की थी पुलिस से शिकायत

परिजनों के मुताबिक नितिन कटारिया ने 8 सिंतबर को सदर बाजार पुलिस थाना, पुलिस सुपरिटेडेंट के अलावा, राज्यमंत्री अर्जून खोतकर, और सीएम देवेंद्र फडणवीस को लेटर लिखा था। लेटर में कहा था कि, कुछ लोगो से उनकी जान को खतरा है। उन लोगो के खिलाफ एक्शन लिया जाए। नितिन ने लिखा था कि, पुलिस में शिकायत करने के बाद आए दिन गुंडों से धमकियां मिल रही है। परिजनों को आरोप है कि, पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से न लेने से ही नितिन कटारिया का मर्डर हुआ है।

पहले भी दो बार हुआ था हमला

नितिन पर मई महीने में दो बार हमला हुआ था, 6 मई को उन्होंने ग्रामीण पुलिस से की शिकायत में कहा था कि, 6 गुंडों ने उन्हें और पिताजी को धमकाया और मारपीट भी की। उन पर दूसरा हमलला 18 मई को किया गया था, इसकी भी शिकायत उन्होने पुलिस से की थी।

मुंबई की बारिश पर बिग बी ने दी सलाह

मुंबई। बॉलिवुड ऐक्टर अमिताभ बच्चन कई साल से मुंबई में बसे हैं। शहर का हिस्सा होने के नाते उन्होंने मुंबई में हो रही भारी बारिश से होने वाली दिक्कतों पर चिंता जताई है। इस संकट भरे समय पर उन्होंने मुंबई के लोगों के लिए एक खास मैसेज शेयर किया है। ट्विटर पर बिग बी ने मुंबई में हो रही बारिश को देवताओं का क्रोध बताया। उन्होंने लोगों को अपने घरों में सुरक्षित रहने की सलाह दी। साथ ही यह भी कहा कि जब तक आवश्यक न हो, घर से बाहर न निकलें। अमिताभ ने अपनी एक फोटो भी पोस्ट की है, जिसमें वह भगवान गणेश के चरणों में सिर झुकाए हुए हैं। इस फोटो पर उन्होंने कैप्शन देते हुए लिखा, 'भगवान शायद दोबारा नाराज हैं..! वह गर्जन कर रहे हैं और यहां मुंबई में बारिश हो रही है..घर में सुरक्षित रहें।'

महाराष्ट्र में तीन बेटियों समेत मां ने कुएं में कूदकर की आत्महत्या

उस्मानाबाद। महाराष्ट्र के उस्मानाबाद शहर में एक मां ने अपनी तीन बेटियों के साथ कुएं में कुदकर जान दे दी। ये घटना तुलजापुर के नलदुर्ग पुलिस स्टेशन के पास घटी है। मां और तीन बेटियों के कुएं में कूदकर आत्महत्या करने से पूरे गांव में खलबली में मच गई। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। सलगरा के रहनेवाले किसान मधुकरराव देवराव चव्हाण की पत्नी छाया मधुकर चव्हाण (40), बड़ी बेटी शीतल (19), पल्लवी (16) और आश्विनी (15) चारों ने खुद के ही खेत में बने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल सका है कि किस वजह से एक ही परिवार के चार लोगों ने एक साथ आत्महत्या कर ली है। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। मधुकर चव्हाण का परिवार हंसता खेलता परिवार था, अचानक ऐसा क्या हुआ कि मां और बेटियों ने ऐसा कदम उठाया? सभी चारों की आत्महत्या पूरे गांव में एक बड़ा सवाल बन गया है। सभी आत्महत्या का अलग-अलग अनुमान लगा रहे हैं। मधुकर चव्हाण की तीनों बेटियों सुशिक्षित थी। बड़ी बेटी बी.ए. तृतीय वर्ष में, दूसरी बेटी बारहवीं व तीसरी बेटी ग्यारहवीं में पढ़ रही थी। मधुकर चव्हाण का बेटा सुनील चव्हाण (12) कोल्हापुर में पढ़ाई करता है। जब ये घटना घटी तब वो कोल्हापुर में ही था। एक ही परिवार के चार लोगों की आत्महत्या से सलगरा गांव में शोक है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और चारों की लाश को कुएं से बाहर निकाला। लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया गया है। नलदुर्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बेटी बचाओ...

सभी आरोपी खाड़ी देश ओमान और कतर के रहने वाले हैं। पुलिस ने निकाह कराने वाले तीन काजी सहित कई स्थानीय लोगों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस फिलहाल केस दर्ज कर आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, हैदराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ओमान और कतर से आए 8 शेखों को गिरफ्तार किया। ये शेख यहां गरीब लड़कियों को अपने साथ ले जाने की तैयारी में थे। सभी आरोपियों की उम्र करीब 70 साल के आसपास है, जो खुद को चुस्त रखने के लिए शक्तिवर्धक इंजेक्शन लेते थे। मुख्य आरोपी का नाम फरीद है। आरोपी फरीद दलालों के साथ मिलकर लड़कियों का सौदा करवाता था। शेख पहले पीड़ित लड़कियों को पसंद करते, जिसके बाद उनका निकाह के बहाने सौदा किया जाता। पुलिस ने गैर कानूनी निकाह कराने वाले तीन काजी सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर इस मामले की जांच कर रही है। बताते चलें कि हैदराबाद में ऐसे मामले लगातार सामने आते रहे हैं। यहां खाड़ी देशों से आने वाले शेख निकाह का लालच देकर लड़कियों की खरीद-फरोख्त करते हैं। बीते दिन एक पिता ने भी अपनी नाबालिग बेटी का सौदा ओमान के रहने वाले एक बुजुर्ग शेख से किया था। यह मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया।

हिन्दू-मुस्लिम में पैदा न करें...

बता दें कि इसके पहले हाईकोर्ट के दखल के बाद ममता बनर्जी सरकार को मूर्ति विजर्सन की तय समय सीमा के फैसले को बदलना पड़ा था। राज्य सरकार ने विजयदशमी के दिन विसर्जन की समय सीमा जो पहले 6 बजे तक निर्धारित कर दी गयी थी, उसे बढ़ाकर रात 10 बजे तक कर दिया गया था।

गौरतलब है कि विसर्जन पर पाबंदी को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में ममता बनर्जी के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। दरअसल, याचिका मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 23 अगस्त को किए गए ट्वीट को केंद्र में रखकर किया गया था। जिसमें दशमी के दिन 6 बजे तक ही विसर्जन की इजाजत दी गई थी, क्योंकि अगले दिन मुहर्रम है। लिहाजा, विसर्जन पर रोक लगा दी गई थी और विसर्जन 2 तारीख से किए जाने के आदेश दिए गए थे। इसको लेकर यूथ बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने याचिका दायर की थी। जिसमें कहा गया कि मुख्यमंत्री के ट्विटर अकाउंट के लाखों फॉलोवर हैं और ये समुदाय विशेष के तुष्टिकरण के लिए बड़े समुदाय के धार्मिक रस्म रिवाज के साथ ठीक नहीं किया जा रहा है। इससे भावनाएं आहत होने के साथ सद्भाव बिगड़ने की भी आशंका है। साथ ही संविधान की धारा 14, 25 और 26 का उल्लंघन भी है। पिछले साल भी ममता बनर्जी के इसी तरह के आदेश पर मामला कोर्ट में गया था। कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगते हुए कहा था कि ये तुष्टीकरण की नीति है और राजनीति को धर्म से न जोड़े। कोर्ट ने पिछली साल ये भी कहा था कि 1982 और 1983 में दशमी और मुहर्रम इसी तरह एक दिन आगे पीछे पड़ा था तब तो कोई पाबंदी नहीं लगाई गई थी।

बारिश ने धोया टीवी...

इससे फिल्म और टीवी की शूटिंग की दुनिया भी अछूती नहीं रही है। सबसे ज्यादा इस बारिश ने टीवी और फिल्म की शूटिंग पर असर दिखाया है। बारिश की वजह से फिल्म सिटी और नायगांव स्थित कई सेट्स पर भारी जलभराव हो गया है जिसकी वजह से कई शोज और फिल्मों के शूट्स को या तो रोक दिया गया है है इंडोर कर दिया गया है। टीवी शोज के सेट पर हर दिन मीडिया को इन्वाइट किया जाता है लेकिन भारी बारिश को देखते हुए और शूट्स के कैंसिल होने से मीडिया को भी आज इन्वाइट नहीं किया गया है। स्टार भारत के शो 'साम दाम दंड भेद' से जुड़े सूत्र ने बताया कि बारिश की वजह पहले ही शो के क्रिएटिव्स ने इंडोर शूट प्लान कर लिया था।

जम्मू कश्मीर में बड़ा...

वहीं 5 जवान घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि यह हमला जम्मू से सटे बनिहाल के पास एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के कैंप पर हुआ, जो बॉर्डर पर सड़क बना रही थी। एसएसबी की यह 14वीं बटालियन यहां उनकी सुरक्षा में तैनात थी। खबरों के मुताबिक, कैंप पर अचानक ही गोलीबारी शुरू हुई और फिर थोड़े ही समय में रुक भी गई। सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया है और हमलावरों की तलाश में जुटी है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में सुरक्षाबलों ने मौत के घाट उतारा है और कई आतंकी हमलों को नाकाम किया है।

सीमा पर दो घुसपैठिए मारे गए

सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आज दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। उन्होंने भारत की सीमा में प्रवेश करने के दौरान आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया था।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपमहानिरीक्षक जे. एस. ओबेरियो का कहना है कि दोनों पाकिस्तानी घुसपैठियों ने जब चेतावनी को अनसुना कर दिया और बीएसएफ की जवानों की ओर आक्रमकता के साथ बढ़ने लगे तो सुरक्षा बल ने उन्हें मार गिराया। घटना 19-20 सितंबर की दरमियानी रात को अमृतसर के अजनाला सेक्टर में सीमावर्ती सुरक्षा चौकी शाहपुर की है। वहां बीएसएफ के जवानों ने दो पाकिस्तानी नागरिकों को देखा जो भारत की सीमा में घुस आये थे और आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले बल ने कहा कि उसे मौके से दो शव बरामद हुए हैं। वहां से एक एके-47 राइफल, एक पिस्तौल और दो दर्जन के करीब गोलियां मिली हैं।

सीमा सुरक्षा बल के प्रवक्ता ने कहा, बीएसएफ के जवानों ने जब चुनौती दी तो, घुसपैठियों ने स्वचालित हथियारों से उनपर गोलीबारी की। अपना बचाव करते हुए, समुचित जवाबी कार्रवाई की गयी और सीमा पर लगी बाड़ के पास उन्हें मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि बल ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। उन्होंने कहा, मौके से एक पाकिस्तानी सिमकार्ड, चार किलोग्राम हेरोइन और 20,000 रुपये कीमत के पाकिस्तानी नोट बरामद हुए हैं। प्रवक्ता ने कहा, इलाके की घेराबंदी कर दी गयी है और खुफिया विभाग खोज अभियान चला रहा है।

नीतीश के उद्घाटन करने से पहले ही टूट गया बांध, शहर में घुसा पानी

बिहार में एक बार फिर से बांध में गड़बड़ी को लेकर सरकार घिर गई है। राज्य के भागलपुर जिले के कहल गांव में उद्घाटन के ठीक पहले लगभग 400 करोड़ रुपए की लागत से बना बांध बह गया। इस बांध के उद्घाटन के लिए सीएम नीतीश को खुद भागलपुर जाना था लेकिन बांध टूटते ही उनका दौरा रद्द करना पड़ा। बांध के टूटने के साथ ही बहुप्रतीक्षित बटेश्वर गंगा पंप नहर परियोजना के ऊपर एक बार फिर ग्रहण लग गया। नीतीश कुमार इस परियोजना का बुधवार को उद्घाटन करने वाले थे। उद्घाटन से पहले ट्रायल के के लिए परियोजना के तहत बने नहरों में पानी छोड़ा गया, लेकिन एनटीपीसी आवासीय परिसर से होकर गुजरने वाले नहर का बांध अचानक टूट गया।बांध के टूटने से एनटीपीसी आवासीय परिसर के विभिन्न कॉलोनियों में नहर का पानी फैल गया। जानकारी के मुताबिक लगभग 40 साल बाद इस बांध का सपना पूरा हुआ था।नहर कहलगांव के एनटीपीसी मुरकटिया के पास टूटा है।सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को भी ट्रायल के लिए जब नहर में पानी छोड़ा गया था तो कई जगह पर बांध में लीकेज देखने को मिला।इस परियोजना से बिहार के भागलपुर और झारखंड के गोड्डा जिले के 22658 हेक्टेयर जमीन की सिंचाई प्रस्तावित थी। इस योजना की कुल लागत अब करीब 828 करोड़ हो गई है। इस बांध के टूटने के कारण उद्घाटन कार्यक्रम को टाल दिया गया है।

उत्कल एक्सप्रेस हादसे में सेफ्टी कमिश्नर ने सौंपी रिपोर्ट, बताई रेलवे स्टॉफ की लापरवाही

मुजफ्फरनगरके खौताली रेलवे स्टेशन पर हुए रेल हादसे में सेफ्टी कमिश्नर ने अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। सेफ्टी कमिश्नर की रिपोर्ट में हादसे के लिए रेलवे कर्मचारियों की लापरवाही को कारण माना गया है। इस भीषण रेल हादसे में 24 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि 156 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली में शनिवार शाम पुरी-हरिद्वार उत्कल एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस हादसे में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और 156 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना का पता लगते ही बचाव अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

मेक्सिको में विनाशकारी भूकंप
250 लोगों की मौत

मेक्सिको में कल देर रात भूकंप के जबरदस्त झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर 7.1 तीव्रता वाले इस विनाशकारी भूकंप में कम से कम 250 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों इमारतें ढह गईं। इस भूकंप के कारण मेक्सिको सिटी, मोरलियोस और पुएब्ला प्रांतों में भारी तबाही मची है। मेक्सिको के राष्ट्रपति एनरिक पेना नीतो ने बताया कि कोआपा के पास एक स्कूल में 20 से अधिक बच्चे और दो वयस्कों की मलबे में दबकर मौत हो गई है। इसके अलावा 30 बच्चे और 12 वयस्क लापता हैं। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कर्मियों को भेज दिया गया है और उनका अभियान रात भर जारी रहा। कई लोगों को मलबे से जीवित भी निकाला गया है।

दो सप्ताह पहले भी आया था खतरनाक भूकंप

मेक्सिको सिटी के मेयर ने कहा कि भूकंप के कारण शहर में 44 इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई जिनमें एक प्राइमरी स्कूल भी शामिल है और कई मकान जमींदोज हो गये। इससे दो सप्ताह पहले भी मेक्सिको में भीषण भूकंप आया था जिससे कम से कम 98 लोगों की मौत हो गई थी और संपत्ति का भी भारी नुकसान हुआ था। गृह मंत्री मिग्यूल एंजल ओसोरियो चोंग ने स्थानीय टेलीविजन पर बताया कि राहतकर्मी मलबों में जीवित बचे लोगों को तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें ऐसी जानकारियां मिली हैं कि अभी भी कुछ लोग इमारतों में फंसे हुए हैं और वे बाहर निकलने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। अगर जरुरत पड़ी तो हम और कर्मचारियों को राहत एवं बचाव अभियान में लगाएंगे।

मेक्सिको सिटी में कम से कम 117 की मौत

अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग ने कहा है कि भूकंप का केंद्र मेक्सिको सिटी से 120 किलोमीटर दूर पुएब्ला प्रांत के एटेंसिगो के करीब था और यह 51 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। मोरलियोस राज्य में 55 लोग मारे गए हैं और पुएब्लो में 29 लोगों के मारे जाने की $खबर है। इसके अलावा दक्षिणी मेक्सिको सिटी में 65 और मेक्सिको सिटी में कम से कम 117 लोग मारे गए हैं। मेक्सिको सिटी में स्कूल, कार्यालय और बाजार बंद कर दिए गए हैं। उधर संयुक्त राष्ट्र ने इस तबाही पर शोक प्रकट करते हुए कहा है कि वह मेक्सिको की किसी भी तरह की सहायता के लिए तैयार है। सैंकड़ों बचावकर्मी अभी भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

32 साल पहले इसी तारीख को आया था विनाशकारी भूकंप

पुएब्ला के गवर्नर जोस एंटोनियों ने बताया कि भूकंप के दौरान मेक्सिको के पोपोकाटेपेटल ज्वालामुखी में विस्फोट के कारण एक चर्च गिर गया जिसके कारण 15 लोगों की मौत हो गई। मेक्सिको में 32 साल पहले 1985 में ठीक इसी तारीख को एक विनाशकारी भूकंप आया था जिसमें लगभग 10000 लोग मारे गए थे।

पड़ोसी देशों ने मदद के लिए बढ़ाया हाथ

मेक्सिको के राष्ट्रपति ने लोगों से अपील की है कि वे सड़कों पर न रुकें ताकि इमरजेंसी सेवाएं आसानी से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच सकें। राजधानी मेक्सिको सिटी के कई इलाकों में फोन सेवाएं बाधित हैं और करीब 40 लाख लोग नहीं होने के कारण अंधेरे में हैं। अमेरिका नेअपने पड़ोसी देश मेक्सिको की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता हीथर नॉअर्ट ने कहा, हम भूकंप में अपने परिजनों को खो चुके लोगों के प्रति संवदेना व्यक्ति करते हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मेक्सिको के लोगों के साथ हैं।

सोनिया ने गुरदासपुर उपचुनाव के लिए दी हरी झंडी

गुरदासपुर उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने प्रधान सुनील जाखड़ को मैदान में उतारने की घोषणा कर दी है। इससे पहले कांग्रेस प्रधान सोनिया गांधी ने श्री जाखड़ को गुरदासपुर उपचुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किए जानें बारे अपनी सहमति दे दी थी। सूत्रों अनुसार मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह की सिफारिश को इस संबंधित स्वीकार करते सोनिया गांधी ने यह फैसला लिया है और उनके नाम का अधिकारत ऐलान अब किसी भी समय पर संभव है। पता लगा है कि श्री जाखड़ 22 सितम्बर को अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

गौरतलब है कि इस हलके के लिए पहले से ही श्री जाखड़ का नाम मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया जा रहा था हालांकि इस हलके की नुमाइंदगी कर चुके पंजाब के पूर्व मंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस प्रधान स: प्रताप सिंह बाजवा इस उपचुनाव के लिए अपनी पत्नी पूर्व विधायका चरनजीत कौर बाजवा के लिए यहां से टिकट के इच्छुक थे। श्री जाखड़ के नाम पर सहमति बन जाने के बावजूद श्री बाजवा बीते कल अपनी पत्नी को साथ लेकर सोनिया गांधी से दिल्ली में मुलाकात की थी। इस फैसले के साथ पंजाब कांग्रेस अंदर कैप्टन अमरेंद्र सिंह की पकड़ एक बार फिर मजबूत होने के प्रमाण सामने आए हैं परन्तु अब यह भी देखना होगा कि क्या वह यह सीट श्री जाखड़ को जिता पाते हैं या नहीं।

राहुल की बुद्धि पर आता है तरस: नकवी

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के ध्रुवीकरण की राजनीति के बयान पर केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पलटवार किया। अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान को लेकर नकवी ने कहा कि कांग्रेस पीपीटी बन गई है। पीपीटी मललब पॉलिटिकल पाखंड का टट्टू। उन्होंने कहा कि सहनशीलता और टॉलरेंस भारत का डीएनए है, उन्हें राहुल गांधी की अज्ञानता भरी बुद्धि पर तरस आता है।

देश तेजी से कर रहा है विकास

नकवी ने कहा कि आज देश तेजी से तरक्की और विकास कर रहा है। यह चीज घोटाले करके गुरुघंटाल बनने वाले बेईमानी को रास नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का दर्द स्वाभाविक है वे जिस बेईमानी और भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रहे थे वो आज बेरोजगार हो गए हैं। रोजगार के सवाल पर नकवी ने कहा कि इस देश में अधिक से अधिक रोजगार पैदा हो। वे इसके लिए पूरी ताकत के साथ ईमानदारी से काम कर रहे हैं। राहुल गांधी के पोलराइजेशन के बयान पर नकवी ने कहा कि वे उनकी बात से सहमत हैं। पोलराइजेशन की पॉलिटिक्स बिल्कुल जारी है, वे इसे विकास का पोलराइजेशन कहते है। यह देश में जातिवाद और सांप्रदायिकता के खात्मे के लिए हो रहा है।

जुनून और धैर्य की मिसाल अमरदीप सिंह नट डांस प्लस सीजन 3 के फाइनल में

आज के बेहद लोकप्रिय डांसर और मनोरंजन में से एक, अमरदीप सिंह नाट ने दुनिया में अपनी बहुमुखी प्रतिभा को एक सुपर-डुपर रोबोटिक्स डांसर के रूप में दिखाया है। मूलत: पंजाब से, अमरदीप का जन्म ८ जुलाई १९९० को हुआ था और मुंबई में वह छोटे से बड़े हो गए। उन्होंने मुंबई के सुप्रसिद्ध कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की है और नाचने में अपने गहन जुनून के साथ अपना करियर शुरू करने का फैसला किया है। अमरदीप रोबोट्स के प्रति बहुत ज्यादा आकर्षित थे और अपने बचपन से रोबोट्स की तरह नृत्य करने का सपना देख रहे थे। हालांकि वह मध्यवर्गीय परिवार के हैं, लेकिन उन्होंने कभी न कुछ नृत्य मास्टर्स से खुद को प्रशिक्षित करने के बारे में सोचा था। जब भी वह किसी भी प्रकार के संगीत को सुनना शुरू कर देता है या छत पंखे के चलने के अजीब आवाज भी सुनता है, तो वह उस ध्वनि को नृत्य करने के लिए एक तरह से उछलकर उठाता है। वह अपने स्वयं के अवधारणाओं को बनाने के लिए इस्तेमाल करते थे, अपना मुखड़ा लिखते थे और अपने संगीत पर प्रदर्शन करते थे। उनकी दिलचस्प यात्रा स्थानीय कार्यशालाओं के साथ शुरू होती है, कॉलेज में होने वाली घटनाएं और साथ ही मंच प्रदर्शन भी करती हैं। साथ ही उन्होंने कुछ टीवी चैनल पर जैसे डीडी नेशनल पर एयरटेल क्रेजी किया रे, चैनल वी पर फुटलूज, कलर टीवी पर इंडियाज गोट टेलेन्ट और स्टार प्लस चैनल पर इंडियाज डासिंग सुपरस्टार पर नृत्य का जलवा दिखाया है। नृत्य की उनकी अनूठी शैली के कारण वह ज़िंदारॉबोट के नाम से लगातार पब्लिक का ध्यान केंद्रित करते रहे। नृत्य उनके लिए पागलपन था और उन्हें लोकप्रिय टीवी श्रृंखला से कई बार रिजेक्ट किया गया, लेकिन वह आगे बढ़ते रहे और हमेशा सफलता और उपलब्धि पर ध्यान केंद्रित करते रहे। अमरदीप ने डांस प्लस के सीजन १ में एक भयानक रोबोटिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया, लेकिन उनका साथ भाग्य ने नहीं दिया। फिर से, उसने डांस प्लस के सीजन २ में भयानक रोबोट का प्रदर्शन दिया, लेकिन फिर भी उनकी संघर्ष की यात्रा अपने मुकाम तक नहीं पहुंच सकी। अंत में,डांस प्लस सीजन ३ में उन्होंने अपने जुनून में ४जुनून या धैर्य की मिसाल४ के रूप में अपनी स्थिति को इतना मजबूत किया कि वह उस दरवाजे से अंदर घूस गए।

अमरदीप सिंह नात नृत्य + सीजन ३ फाइनल में चार उम्मीदवारों में से एक है। अपनी यात्रा में सभी बाधाओं को पार करते हुए, अब वह लाखों प्रशंसकों और अनुयायियों के संग्रह में उल्लेखनीय समृद्धि से उबर चुका है। उनके नृत्य वीडियो १५ लाख से अधिक लोगों ने देखा और हजारों खूबसूरत टिप्पणियों और लाखों पसंद को पार कर रहे हैं।

डेरे की जमीन में दबे हैं
600 नरकंकाल

चौंका देने वाले एक घटनाक्रम में डेरा सच्चा सौदा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने हरियाणा पुलिस को बताया है कि डेरे के करीब 300-400 अनुयायियों ने पिछले कुछ वर्षों में अपने मृत परिजन का अंतिम संस्कार करने के बाद उनकी अस्थियों को डेरा मुख्यालय में ही बिखेर दिया। मीडिया में आई उन खबरों के बारे में कि डेरा परिसर में कंकालों को दबा दिया जाता था, डबवाली के डीएसपी कुलदीप सिंह बेनीवाल के नेतृत्व वाली सिरसा एसआईटी ने कहा, हमारे संज्ञान में ऐसा कोई तथ्य नहीं आया है। हरियाणा पुलिस की एक विशेष जांच टीम ने कल शाम डेरा सच्चा सौदा की प्रबंध समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पी आर नैन से सिरसा में ढाई घंटे तक पूछताछ की।

डीएसपी ने बताया, एक वरिष्ठ पदाधिकारी होने के कारण नैन से डेरा से जुड़े विभिन्न विषयों पर पूछताछ की गई। उनसे पंचकूला और सिरसा (डेरा प्रमुख को सजा सुनाए जाने से पूर्व) में एकत्र हुए लोगों के बारे में भी पूछताछ की गई। नैन डेरा के कृषि विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे थे उन्होंने कहा कि कुछ अनुयायी अस्थियां लाते थे और अनुष्ठान के तहत डेरा परिसर में इसे बिखेर देते थे। उन्होंने कहा, नैन ने यह भी बताया कि पिछले कई सालों से इन परिसरों में 300-400 अनुयायियों ने अपने परिजनों की अस्थियां रखीं थी। डेरा ने ऐसे लोगों का पता और अन्य संपर्क ब्यौरा रखा है जिसे नैन ने हमें दिखाया। उन्होंने बताया कि नैन से विस्तार से पूछताछ की गई और अगर जरूरत हुई तो उसे फिर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। बलात्कार के दो मामलों में डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को 20 साल जेल की सजा सुनायी गयी है। वह रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बिहार में इनॉगरेशन से 1 दिन पहले टूटा 828 करोड़ से बना डैम, 40 साल लगे थे बनने में

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के कहलगांव में 40 साल में 828 करोड़ रुपए की लागत से तैयार बटेश्वर गंगा पंप कैनल प्रोजेक्ट का डैम ट्रायल के दौरान टूट गया। सीएम नीतीश कुमार बुधवार को सुबह 11.20 बजे इसका इनॉगरेशन करने वाले थे। इसके लिए सभास्थल भी सजकर तैयार था, लेकिन मंगलवार की शाम चार बजे 12 में से सिर्फ 5 मोटर पंप चालू किए गए, इसके करीब एक घंटे बाद डैम टूट गया। कलेक्टर आदेश तितरमारे के मुताबिक, डैम टूटने के बाद नीतीश कुमार का दौरा रद्द कर दिया गया है। बुधवार से डैम की मरम्मत का काम शुरू होगा। उसके बाद ही इसका इनॉगरेशन होगा। बता दें कि इससे पहले भी 2 बार इसके इनॉगरेशन का प्रोग्राम बना था, लेकिन किसी वजह से सीएम नहीं पहुंच पाए थे।

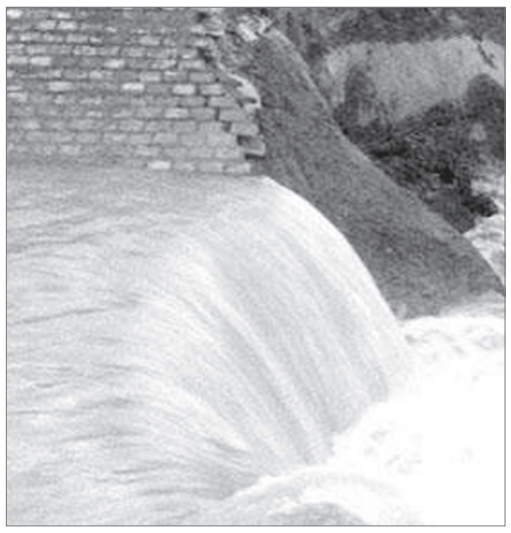

एक घंटे भी प्रेशर नहीं सह पाया

नहर पर बने इस डैम में कुल 12 मोटर लगी हैं, लेकिन ट्रायल के वक्त सिर्फ 5 को ही चालू किया गया था। यानी, यह करीब आधा प्रेशर एक घंटे भी नहीं बर्दाश्त कर पाया। देखते ही देखते एनटीपीसी हाउसिंग कॉम्पलेक्स के करीब पुल के बाजू में डैम का एक हिस्सा टूट गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि एनटीपीसी की कॉलोनी के सभी घरों में घुटने तक पानी भर गया। ओगरी और श्यामपुर पंचायत के कुछ मोहल्लों में भी पानी घुस गया। वहीं, रानीपुर लधरिया के पास सड़क कट गई। खेतों में लगी धान की फसल बर्बाद हो गई। घटना की सूचना पर कलेक्टर और तितरमारे और एसएसपी मनोज कुमार मौके पर पहुंचे। वहां से लोगों को हटाया गया।

40 साल मे पूरा हो पाया प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट का भूमि पूजन 1977 में तत्कालीन जल संसाधन मंत्री और कहलगांव के उस वक्त विधायक सदानंद सिंह ने किया था। जब प्रोजेक्ट शुरू हुआ था तब इसकी लागत 13.88 करोड़ रुपए थी, लेकिन बढ़ते-बढ़ते यह 828.80 करोड़ हो गई। इसे पूरा होने में 40 साल लग गए। इस प्रोजेक्ट से बिहार के 21 हजार 700 हेक्टेयर और झारखंड के 4 हजार 883 हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी। इसके लिए स्टेज एक में 650 हार्सपावर की 6 मोटर और 450 हार्स पावर की 6 मोटर लगाई गई हैं। 650 हार्स पावर की एक मोटर हर सेकंड 150 क्यूसेक पानी फेंकती है, जबकि 450 हॉर्स पावर की एक मोटर 60 क्यूसेक पानी प्रति सेकेंड फेकती है। विभाग के अफसरों की मानें तो एक साथ अगर सभी मोटर को चालू कर दिया जाय तो करीब 1260 क्यूसेक पानी प्रति सेकेंड इससे लिया जा सकता है।

मुलायम सिंह खुद भी बुलाएंगे तो सपा में वापस नहीं जाने वाला: अमर सिंह

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से नाता टूटने के बाद सांसद अमर सिंह अब अपने पुराने दोस्त मुलायम सिंह यादव और उनके परिवार के साथ राजनीतिक रिश्ते नहीं रखना चाहते। उनकी यह तल्खी मंगलवार को मीडिया के सामने आ गई। लखनऊ में अपनी अभिनीत फिल्म जेडी का प्रमोशन करने आए अमर सिंह समाजवादी पार्टी का सवाल आने पर पहले कुछ बोलने से मना किया और फिर खुलकर बोले। फिल्मी गीतों की लाइनों के जरिये मुलायम व अखिलेश पर तंज कसे। कहा कि जब वहां था तो पूरा दोष 'अंकल' का था। अब तो मैं बाहरी हो गया। अब मैं न इधर हूं और न उधर हूं। फिर अमर सिंह ने खलनायक फिल्म के गीत के बोल दोहराए ..'नायक नहीं

खलनायक हूं मैं, जुल्मी बड़ा दुखदायक हूं मैं।' अब दोनों पक्ष (मुलायम-अखिलेश) बोलना बंद कर दें कि ..'कांटा लगा।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर मुलायम सिंह उन्हें खुद भी बुलाएंगे तो भी वो वापस सपा में नहीं जाएंगे। अमर अपने अंदाज में बोले, मैं यत्र-तत्र, सर्वत्र हूं लेकिन, अब मैं न वहां (समाजवादी पार्टी) हूं और न कभी रहूंगा। नेताजी (मुलायम सिंह) के अलग पार्टी बनाने के सवाल पर बोले कि मुलायम मुझसे कहते है कि पीछे के दरवाजे से आओ और वहीं से निकल जाओ। आओ जरूर लेकिन रात के अंधेरे में और उजियारा होने से पहले चले जाओ। कहीं आजम, अखिलेश देख न लें। फिर गीत के शब्द दोहराए कि धीरे-धीरे बोल कोई सुन न लें। अमर सिंह ने कहा कि ऐसे वेश्याएं आती जाती हैं। मैं राजनीतिक वेश्या नहीं बनना चाहता। उन्होंने कहा कि दो बार मुझे 'पिछवाड़े' से निकाला, अब वहां नहीं जाऊंगा।

घर से भागकर की लव मैरिज, अब कह रही-बचा लो प्रेमी मार डालेगा मुझे

पटना। प्रेम कहानी का एक अलग रूप सामने आया है, जिसमें एक प्रेमिका ने प्रेमी से शादी करने की जिद कर उससे शादी की अब वह उसी प्रेमी से बचाव की गुहार लगा रही है। जिस प्यार को पाने के लिए वह पूरी दुनिया से बगावत कर बैठी और शादी कर सतरंगी सपने सजाए ससुराल पहुंची उसी प्रेमी से पति बने युवक पर हत्या करने का आरोप लगा रही है। यह घटना बाढ़ थाना के बैढना पंचायत में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां पहले प्रेम विवाह करने वाली युवती अब उसी प्रेमी पति से बचाव की गुहार लगा रही है। ग्वार निवासी पिंकी अपने प्रेमी से शादी करने के लिए घर से भाग निकली और बाढ़ के उमानाथ मंदिर में उसके साथ शादी की।

ससुराल जाने के बाद उसे प्रेम का सही मतलब उस वक्त समझ में आया जब पति ने पहले दिन से ही उसकी पिटाई करनी शुरू कर दी। अब पिंकी अपने प्रेमी पति से छुटकारा चाहती है। पीड़िता के पिता ने कोर्ट में कंप्लेन केस किया है। वहीं पुलिस से भी त्वरित कारवाई किए जाने की गुहार लगा रही है लेकिन अब तक कोई कारवाई नहीं की गई है। वहीं पति रमाकांत बराबर लडकी और उसके परिवार को धमकी देता आ रहा है।

मरीज को लगाया खाली ऑक्सीजन सिलेंडर

मुजफ्फरपुर। एसकेएमसीएच में एक बार फिर बड़ी लापरवाही सामने आई है। इमरजेंसी वार्ड में मंगलवार को मरीज को खाली सिलेंडर लगा दिया। हालांकि, इसकी भनक लगते ही तैनात हेल्थ मैनेजर ने सिलेंडर बदला गया। बताया गया कि गंभीर रूप से बीमार अहियापुर सहबाजपुर की मीना देवी को इलाज के लिए लाया गया। चिकित्सकों ने तत्काल ऑक्सीजन लगाने को कहा। इसके बाद ऑक्सीजन सिलेंडर लगाया गया। मीटर नहीं चलते देख परिजन ने कर्मी को कहा। कर्मी ने सिलेंडर का रेगुलेटर खराब होने की बात कह बताया कि मरीज को ऑक्सीजन मिल रही है। लेकिन, दूसरे कर्मी ने स्थिति को भांप दूसरा सिलेंडर लगाया। जांच करने पर वह भी खाली मिला। सूचना पर अस्पताल प्रबंधक संजय कुमार साह तत्काल पहुंचे व भरा हुआ सिलेंडर मंगवाकर मरीज को लगवाया। इधर, स्वास्थ्य प्रबंधक राजीव रंजन ने बताया कि ऑक्सीजन की कमी नहीं है। पांच में एकमात्र सिलेंडर खाली था। इसे वहां से निर्धारित जगह पर नहीं रखा गया। मरीज को पहले लगाए गए सिलेंडर में ऑक्सीजन कम थी।

मानव तस्करी का हब बना कटिहार, नेपाल बॉर्डर पर रोज पकड़े जा रहे चार मामले

कटिहार। भारत-नेपाल एवं भूटान सीमा मानव तस्करी को लेकर संवेदनशील बनता जा रहा है। भारत-नेपाल सीमा पर पिछले एक वर्ष में मानव तस्करी के करीब 1500 मामले सामने आए हैं। एसएसबी द्वारा 600 बच्चों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया गया है। इस संबंध में 500 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। मानव तस्करी के बढ़ते मामलों को देखते हुए सशस्त्र सीमा बल ने सीमाई इलाकों में विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। रक्सौल, जोगबनी, गलगलिया समेत अन्य इंट्री प्वाइंट्स के अलावा सीमा क्षेत्र से सटे गांवों में अभियान चलाया जाएगा। एसएसबी इस काम के लिए दो जागरूकता रथों का भी सहारा लेगा। डाक्यूमेंट्री व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। एसएसबी द्वारा मानव तस्करी को लेकर कराए गए सर्वे में खुलासा हुआ है कि अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चे-बच्चियां मानव तस्करी की अधिक शिकार हो रही हैं। स्कूलों व मदरसों में भी यह अभियान चलेगा।

सर्वे में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि मानव तस्करी के अधिकांश मामलों में स्थानीय पुलिस पूरी तरह गंभीर नहीं होती है। इस कारण सीमाई इलाकों में ऐसे मामले तेजी से बढ़े हैं। सबसे अधिक परेशानी नेपाल एवं भूटान मूल के बच्चों को रेसक्यू कराने के बाद वापस उन्हें उनके देश भेजने में कागजी औपचारिकता को लेकर भी हो रही है। ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे के लिए गृह मंत्रालय द्वारा एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। मानव तस्करों की नजर नेपाली युवतियों एवं बच्चों पर अधिक है। बड़े शहरों के ब्यूटी पॉर्लरों में रोजगार दिलाने एवं अन्य प्रलोभन देकर इन्हें मानव तस्करी का शिकार बनाया जा रहा है। भारत-नेपाल व भारत-भूटान सीमा मानव तस्करी को लेकर संवेदनशील है। पिछले एक वर्ष में एसएसबी ने 600 बच्चों को तस्करों से मुक्त कराया है। इस संबंध में 500 से अधिक मामले दर्ज कराए गए हैं। सशस्त्र सीमा बल मानव तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाएगा। सीमाई इलाकों में इसे लेकर दो जागरूकता रथ भी निकाले जाएंगे। स्कूल व मदरसों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ये हैं विदेशों के सबसे सस्ते और खुबसूरत शहर

हर किसी को विदेश घूमने की इच्छा तो जरुर होती है लेकिन वीजा या पैसों की कमी के कारण हर किसी की यह इच्छा पूरी नहीं हो पाती। आज हम आपको विदेशों की सबसे सस्ती जगहों के बारे में बताने जा रहें। विदेशों की यह जगह भारत से भी सस्ती है। आइए जानते है विदेशों की इन सबसे सस्ती जगहों के बारे में।

1. बोलीविया

यहां के होटल सस्ते होने के साथ-साथ प्रकृतिक नजारों से भरपूर भी है। इस शहर में आप जंगल, पहाड़ और गर्म पानी के सोते आदि का लुफ्त उठा सकते है।

2. पैरागुए

पैरागुए दुनिया का सबसे सस्ता और खुबसूरत देश है। इसे लाइटों का शहर भी कहा जाता है। यहां पर घूमना तो आपको शिमला से भी सस्ता पड़ेगा।

3. बेलारूस

यहां पर आप बेहद कम पैसों में म्यूजियम, कैफे और प्राकृतिक सुंदरता का मजा ले सकते है। ज्यादातर लोग यहां की झीलें और जंगल से आकर्षित होते है।

4. कम्बोडिया

ऐतिहासिक परिपूर्णता से भरपूर इस जगह पर आप हिन्दू धर्म के इतिहास को ज्यादा अच्छे से समझ सकते है। यहां पर बने मंदिर बेहद खुबसूरत और शांत है।

5. वियतनाम

इस खुबसूरत आयलैंड पर आप समुद्र भरपूर मजा ले सकते है। यहां पर रहने से लेकर खान-पान तक इतना सस्ता है कि आप यहां से जाना ही नहीं चाहगे।

6. श्रीलंका

प्रकृति पंसद लोगों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं। यहां पर आप हरे समुद्र के साथ-साथ शहर घूमने का नजा भी ले सकते है। यहां के होटलों में रुकने के लिए भी आपको ज्यादा पैसे नहीं खर्च करने पड़ेगें।

दुनिया की सबसे अनोखी झील
दो रंगों में बंट जाता है इसका पानी

दुनिया में कई खूबसूरत झीलें, पहाड़ और समुद्र हैं। इनकी सभी जगहों की अपनी-अपनी खासियत है। लोग इन जगहों को देखने के लिए दूर-दूर से आते हैं। ऐसे में ही चीन देश में एक झील है जो अपने आप में ही बहुत खास है। इस झील की खासियत यह है कि इसका पानी अपना रंग बदलता है। मौसम और तापमान के हिसाब से इस झील का रंग बदलता रहता है जोकि बहुत ही खूबसूरत नजारा है। आइए जानिए चीन की इस अनोखी झील के बारे में

▶ चीन देश के शांक्शी प्रांत में युंगचेन सॉल्ट नाम की एक लेक है। इस झील का इतिहास 50 करोड़ साल पुराना है और पिछले 6 हजार सालों से इस झील में से नमक निकाला जा रहा है।

▶ इस झील की खासियत यह है कि पतझड़ के मौसम में और तापमान बढ़ने से यह झील अपना रंग बदल लेती है। इसका पानी बैंगनी और हरे रंग का दिखाई देता है।

▶ यह झील 120 स्कवेयर कि.मी. में फैली है और यह दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी सोडियम सल्फेट पैदा करने वाली झील है।

▶ झील के किनारे पर जमा कीचड़ में 7 अलग-अलग तरह के मिनरल्स पाए जाते हैं जो स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

▶ इसी वजह से यहां पर्यटक दूर-दूर से आकर पहले कीचड़ में नहाते हैं और फिर झील के पानी से खुद को साफ करते हैं। टूरिस्टों के घूमने के लिए चीन की यह बैस्ट जगह है।

इन जानवरों ने बनाएं कई रिकॉर्ड, जिन्हें देख आप भी जाएंगे चौंक

दुनिया में कई ऐसे इंसान होंगे जिन्होंने अपने नाम कई विश्व रिकॉर्ड दर्ज किए होंगे लेकिन आज हम इंसानों की नहीं बल्कि जानवरों की बात कर रहे है जिन्होंने अनोखे रिकॉर्ड बनाएं। आइए जानते है इन जानवरों की अनोखी विश्व रिकॉर्ड लिस्ट।

सबसे ऊंची गाय

ब्लॉसम गाय ने दुनिया की सबसे ऊंची गाय होने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। हालांकि अब इस गाय की मौत हो चुकी है लेकिन यह गाय 6 फीट 4 इंच लंबी थी।

तेज चलने वाला कछुआ

यूं तो कछुआ हमेशा अपने आलसी स्वभाव और धीमी गति के कारण जाना जाता है। लेकिन इस कछुए की रफ़्तार दुनिया के सभी कछुओं से आगे है। यह कछुआ 100 मीटर की दूरी को दौड़ कर सिर्फ 6 मिनट पूरा कर लेता है।

40 किलो ऊन वाली भेड़

ऑस्ट्रेलिया के टैमी नाम के शख्स के पास एक ऐसी भेड़ है जिससे उसने करीब 40 किलो की ऊन निकाली और अनोखा विश्व रिकॉर्ड बनाया।

सबसे लंबा पालतू सांप

फुल मून प्रोडक्शन के पास एक ऐसा पालतू सांप है जिसकी लंबाई लगभग 7.67 मीटर है जिसके चलते इसके नाम दुनिया का सबसे लंबा पालतू सांप होने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

मुंबई हलचल राशिफल
आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। उन्नति होगी। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य पूर्ववत होगा।

सिंह
जल्दबाजी न करें। कानूनी अड़चन आ सकती है। शुभ समाचार मिलेंगे। पुराने मित्र-संबंधियों से मेल होगा। दूसरों की आलोचना नहीं करें।

धनु
यात्रा सफल रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। इष्ट मित्रों से मुलाकात होगी। आय कम रहेगी।

वृष
संतान की चिंता रहेगी। यात्रा मनोरंजक होगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। भागदौड़ रहेगी। धनार्जन होगा।

कन्या
यात्रा सफल रहेगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। भूमि-भवन की समस्या रह सकती है।

मकर
धार्मिक यात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मिथुन
पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें।

तुला
फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद न करें। क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ
मित्रों से विरोध मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश होगा। जोखिम न लें। लेन-देन में सावधानी रखें।

कर्क
प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लेन-देन में सावधानी रखें।

वृश्चिक
रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शुभ समय। पुरातन समस्या रहेगी।

मीन
वाणी पर नियंत्रण रखें। शत्रु परास्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। आलस्य में वृद्धि होगी।

इस फेस्टिवल सीजन में ऐसे करें ई-शॉपिंग और बचाएं पैसे

फेस्टिवल सीजन में ज्यादातर लोग ई-शॉपिंग के जरिए खरीदारी करते है। ई-शॉपिंग के साथ खरीदारी करना आसान होने के साथ-साथ किफायती भी है। इसलिए ज्यादातर लोग ऑनलाइन शॉपिंग करना पंसद करते है लेकिन ऑनलाइन खरीदारी में थोड़ी सी चूक आपके लिए मुसीबत बन सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप इस फेस्टिव सीजन ई-शॉपिंग के जरिए सुरक्षित और पैसे बचाने वाली सेविंग कर सकते है।

☞ ऑनलाइन शॉपिंग करते समय पहले सारी साइड पर सेल ऑफर चेक लें। उसके बाद ही कोई सामान खरीदे। कपड़े, जूते खरीदते समय ज्यादा ध्यान रखें। इनका फिटिंग में समस्या आ सकती है।

☞ ई-शॉपिंग से समान खरीदते समय अपना पता ठीक से लिखें। नहीं तो आपका सामान कहीं ओर डिलवर हो जाएगा।

☞ ऑनलाइन शॉपिंग के लिए कैशकार्ड यूज न करें। इस तरह आपके कार्ड्स की क्लोनिंग या डाटा चोरी हो सकता है। ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान हमेशा कैश ऑन डिलवरी का ऑप्शन ही चुने।

☞ इस तरह शॉपिंग के दौरान यह जरुर चेक करें की उस पर एक्चेंज ऑफर है यह नहीं। हमेशा एक्चेंज ऑफर वाला प्रोड्क्ट ही लें ताकि डिफेक्ट निकलने पर आप उसे चेंज करवा सकें।

☞ ई-शॉपिंग करते समय कंपनी के नाम पर भेजे जाने वाले फर्जी ईमेल से सावधान रहे। वेबसाइट के एड्रेस की शुरूआत में एचटीटीपीएस देखें। अगर वो सिक्योर्ड हो तो ही शॉपिंग करें।

☞ शॉपिंग से पहले गूगल पर डिस्काउंट ऑफर जरुर चेक करें लें। गूगल पर सर्ज करने पर आप लेट्स डिस्काउंट ऑफर्स पा सकते है। इसके अलावा बड़ी चीज जैसे टी.वी, फ्रिज, स्मार्टफोन और लैपटॉप खरीदते समय उसकी प्रोडक्ट वैल्यू जरुर जांच लें।

☞ हर ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल साइट्स पर अपनी डील डाल देती है। उसे जरुर चेक करें। इसके उलावा इन वेबसाइटों से रेगुलर खरीदारी से आपको 2 महीने बाद कैश बेक भी मिल सकता।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन छोटी-छोटी परेशानियों में शहद का ऐसे करें इस्तेमाल

सदियों से शहद का इस्तेमाल एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में किया जा रहा है। आज भी आपको लगभग हर रसोई में यह स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ मिल जाएगा। स्वाद में मीठे शहद में बहुत सारे गुण पाए जाते हैं जो आज मेडीकल साइंस भी स्वीकार करने लगा है। सिर्फ सेहत ही नहीं बल्कि ब्यूटी से जुड़े भी कई फायदे भी शहद से पाए जा सकते हैं बस आपको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि शहद का सेवन किस तरह से करना है क्योंकि शहर शरीर पर अलग अलग तरह से असर डालता है और यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप उसका सेवन किस तरह से कर रहे हैं जैसे अगर आप शहद को गुनगुने पानी के साथ मिलाकर पी रहे हैं तो उससे खून में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या पर तेजी से लाभदायक असर पड़ेगा। इससे खून में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है जिससे एनीमिया और खून की कमी की स्थिति में लाभ होता है। उसी तरह शहद का अलग अलग तरीके से सेवन करने से फायदे भी अलग अलग ही मिलते हैं।

कैसे करें शहद का इस्तेमाल

एनर्जी बढ़ाएं

कैलोरी और ऊर्जा से भरपूर शहद का सेवन वर्कआउट करने वाले लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। यह थकावट को दूर करके मांसपेशियों में एनर्जी पैदा करने का काम करता है। यह शरीर में शर्करा को बैलेंस और ग्लाइकोजन की कमी को भी पूरा करता है। एनर्जी बनाए रखने के लिए डाइट में शहद को जरूर शामिल करें। आप रोजाना एक चम्मच शहद का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप बैड के साथ और गर्म पानी में मिलाकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

घाव जल्दी भरें

शहद में पाए जाने वाले नैचुरल एंटीबायोटिक गुण संक्रमण को फैलने से रोकते हैं। शरीर पर चोट लग जाने पर शहद का लेप लगा लें। इससे घाव भी जल्दी भरते हैं और निशान भी नहीं पड़ते।

पेट के कीडे

पेट में कीड़ों की परेशानी ज्यादातर छोटे बच्चों को होती है। इससे भूख न लगना,रात को सोते समय मुंह से लार निकलना,पेट में दर्द और खाया-पिया न लगना जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पेट के कीडों का इलाज करने के लिए बराबर मात्रा में शहद, सिरका और पानी डालकर पीएं। इससे पेट के कीडे मल के रास्ते आसानी से बाहर निकल जाएंगे।

मुंह का सूखना

कई बार पानी पीने के बाद भी मुंह बार-बार मुंह सूखने लगता है और प्यास लगती है तो 1 चम्मच शहद मुंह में भर लें। इसके 2 मिनट बाद कुल्ला कर लें। इससे मुंह का सूखापन दूर हो जाएगा।

वजन कम करें

गुनगुने पानी में शहद के साथ एक नींबू मिक्स करके रोजाना खाली पेट पीने से वजन तेजी से कम होता है। इससे एनर्जी तो मिलती ही है साथ में चर्बी तेजी से घुलती है।

ब्लड शूगर लेवल करें बैलेंस

डायबिटीज के रोगी को चीनी खाने से नुकसान पहुंचता है। वह चीनी के जगह पर शहद का सेवन कर सकते हैं।

नैचुरल कफ सिरप

खांसी और कफ से राहत नहीं मिल रही तो 2 टेबलस्पून शहद, ळ कप गुनगुना पानी और आधा टीस्पून नींबू का रस मिलाकर पीएं। इससे जल्दी आराम मिलेगा।

कब्ज की छुट्टी

पाचन क्रिया में गड़बड़ी के कारण कब्ज की परेशानी हो जाती है। इससे राहत पाने के लिए सुबह 1 गिलास गुनगुने पानी में 1 टीस्पून शहद डालकर पिएं।

नैचुरल हेयरस्पा

आधा कप दही में 2 से 3 चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं और बालों पर लगाएं। इससे बालों में नैचुरल शाइन भी आएगी और बालों की ग्रोथ भी बढ़ेगी। आप चाहे तो इसमें अंडे का सफेद भाग भी मिक्स कर सकते हैं।

फेसमास्क

चेहरे का ग्लो बढ़ाने के लिए एक अंडे के सफेद हिस्सा और 1 चम्मच शहद मिक्स करके पेक बनाएं और चेहरे पर लगाएं। सूखने पर ताजे पानी से मुंह धो लें। इससे त्वचा निखरी दिखाई देगी।

कब्ज को करना है जड़ से खत्म तो रोजाना खाएं ये 3 चीजें

आजकल खान-पान की बदलती आदतों के कारण लोगों में कब्ज की समस्या जाती है। इससे आप पूरा दिन परेशान तो रहते है और कोई काम भी नहीं कर पाते। प्रॉब्लम बढ़ जाने पर आप दवाईयों का सहारा लेते है लेकिन उससे भी आपको कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। आज हम आपको ऐसे फलों के बारे में बताने जा रहें जिन्हें खाने से आप कब्ज की समस्यां से छुटकारा पा सकते है। आइए जानते है इन फलों के बारे में।

1. नाशपाती

नाशपाती आठ गुना सोर्बिटोल होता है जो कब्ज की समस्या में बहुत फायदेमंद है। 1 नाशपाती और करीब 2 ग्लास पानी को अच्छी तरह पका कर उबाल लें। अब इसे ठंडा करके इसका सेवन करें। इससे आपको तुंरत ही कब्ज से छुटकारा मिल जाएगा।

2. सेब

इसे खाने से आपके लेक्साटिव पर प्रभाव पड़ता है। सेब को काट कर 2 गिलास पानी में डाल कर उबालें। अगर सेब खट्टा हो ते उसमें थोड़ी सी चीनी मिला लें। रात को सोने से पहले इसका सेवन करें। आप चाहे तो सेब को साबुत खा कर भी कब्ज से छुटकारा पा सकते है।

3. त्रिफला

अधिक समय तक कब्ज की समस्या वाले लोगों के लिए त्रिफला बहुत फायदेमंद है। रात को सोने से पहले इसके पाउडर को एक कप गुनगुने पानी के साथ लें। इसमें मौजूद एंटी-पैरासिटिक गुण आपकी कब्ज और इंफेक्शन की प्रॉब्लम को दूर करते है।

रोजाना की इन गलतियों के कारण आप हो सकते हैं बहरे

कान हमारे शरीर का सबसे जरूरी अंग है। कानों के जरिए ही हम लोगों की आवाज सुन सकते हैं। बढ़ती उम्र के साथ ही सुनने की क्षमता भी कमजोर होने लगती है लेकिन आजकल तो कम उम्र के लोगों में भी यह समस्या देखने को मिलती है। आजकल के बदलते लाइफस्टाइल और लोगों की कुछ गलतियों की वजह से उनमें बहरेपन की समस्या देखी जाती है। ऐसे में खुद के कानों को स्वस्थ रखने के लिए इन गलतियों को करने से बचना चाहिए। आइए जानिए रोजाना में की गई कुछ गलतियां जो कानों को खराब कर रही हैं।

1. हैडफोन का इस्तेमाल

फोन पर गाने सुनना आजकल यंग जैनरेशन की पहली पसंद है। जो लोग रोजाना लंबे समय तक ईयरफोन पर ऊंची आवाज में गाने सुनते हैं। उनके ईयर ड्रम को काफी नुकसान पहुंचता है जिससे बहरेपन की समस्या हो जाती है।

2. कानों में इंफैक्शन

कानों की सही तरह से देखभाल न करने की वजह से इंफैक्शन हो जाती है जिससे ईयर ड्रम पर बुरा असर पड़ता है और सुनाई देना कम हो जाता है।

3. बुढ़ापा

बढ़ती उम्र भी कानों के बहरेपन की मेन वजह है। उम्र बढ़ने से कानों की नर्व्स कमजोर हो जाती हैं जिससे यह समस्या हो जाती है।

4. कान का मैल

सही तरीके से कान की सफाई न करने की वजह से इनमें मैल जम जाता है और अगर लंबे तक कानों में मैल जमी रहे तो इससे इंफैक्शन का खतरा बढ़ जाता है जिससे बहरापन हो जाता है।

5. डायबिटीज

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या होती है उनमें भी बहरापन देखा जा सकता है। डायबिटीज की वजह से रोगियों में न्यूरोपैथी प्रॉब्लम हो जाती है और कान खराब हो जाते हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, गुरुवार
21 सितंबर, 2017

बीसीसीआई ने धोनी का नाम पद्म भूषण अवॉर्ड के लिए प्रस्तावित किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का नाम देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मभूषण के लिए प्रस्तावित किया है। क्रिकेट के खेल में टीम इंडिया की जीत में दिए गए योगदान के लिए यह सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि धोनी ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ 300 वनडे खेलने का रिकॉर्ड बनाया था। इसी सीरीज में वे वनडे में 100 स्टंपिंग करने वाले दुनिया के इकलौते विकेट कीपर बने थे। महेंद्र सिंह धोनी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में चेन्नई में एक और बड़ा कारनामा किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में मुश्किल हालातों में बल्लेबाजी करते हुए अपने इंटरनेशनल करियर का 100वां अर्धशतक लगाया। धोनी ने पहले वनडे में 79 रन की पारी खेली थी और हार्दिक पंड्या के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की थी। एमएस धोनी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके

हैं लेकिन टी20 और वनडे मैचों में अभी भी खेल रहे हैं। 90 टेस्ट में उन्होंने 38.09 के औसत से 4876 रन बनाए जिसमें 224 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा। टेस्ट क्रिकेट में 6 शतक माही के नाम पर दर्ज हैं। वनडे मैचों में धोनी 10 हजार रन के आंकड़े के बेहद करीब हैं। 302 वनडे मैचों में उन्होंने 9737 रन बनाए हैं जिसमें नाबाद 183 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है। वनडे क्रिकेट में धोनी 10 शतक और 66 अर्धशतक बना चुके हैं। वनडे मैचों में उनका औसत 52.34 का है। 78 टी20 मैचों में धोनी ने 1212 रन बनाए हैं जिसमें एक अर्धशतक शामिल हैं। धोनी दुनिया के इकलौते कप्तान हैं जिन्होंने आईसीसी की सभी ट्रॉफियों पर कब्जा जमाया है। साल 2007 में उनकी कप्तानी में टीम इंडिया टी20 वर्ल्डकप चैंपियन बनी थी। वर्ष 2011 में भारतीय टीम ने 28 साल बाद वनडे वर्ल्डकप पर कब्जा जमाया था। इसके बाद धोनी की ही कप्तानी में भारत चैंपियंस ट्रॉफी का सरताज बना था।

साइना, श्रीकांत और प्रणय जापान ओपन के दूसरे दौर में

टोक्यो। साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत ने विजय अभियान की शुरूआत करते हुए जापान ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता साइना ने थाइलैंड की पोर्नपावी चूचुवोंग को 21-17, 21-19 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। साइना का अब रियो ओलिंपिक की स्वर्ण पदक विजेता केरोलिना मारिन से मुाकबला होगा। साइना का स्पेन की इस खिलाड़ी के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 4-3 है, लेकिन पिछले चार मैचों में से तीन मैचों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में खिताब जीत चुके के श्रीकांत ने चीन के तियान होवुवेई को 21-15, 12-21, 21-11 से हराया।

इसी के साथ श्रीकांत ने दुनिया के 10वें क्रम के खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत दर्ज की। वे इससे पहले 6 मैचों में उनसे हार चुके थे। अब उनका मुकाबला हांगकांग के हु यून से होगा। यूएस ओपन विजेता एचएस प्रणय और सैयद मोदी ग्राप्रि विजेता समीर वर्मा ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। प्रणय ने डेनमार्क के एंडर्स एंटोन्सेन को 21-12, 21-14 से हराया।

युवराज की मां ने की विराट की तारीफ

कहा–हमेशा युवी को सपोर्ट किया

नई दिल्ली। टीम इंडिया के ऑलराउंडर युवराज सिंह की मां शबनम सिंह ने युवराज सिंह की फिटनेस ड्राइव की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नियम सबसे लिए एक जैसे होते हैं। उन्होंने युवराज सिंह के टीम में न चुने जाने के संदर्भ में यह बात कही। बता दें कि युवराज सिंह इस फिटनेस टेस्ट पास करने में असफल रहे थे। हालांकि, बोर्ड ने यह स्पष्ट नहीं किया था लेकिन माना यही जा रहा था कि युवराज के टीम में न चुने जाने का एक अहम कारण उनकी फिटनेस ही रही। शबनम सिंह ने यह भी कहा कि युवराज सिंह टीम के टीम नें न चुने जाने पर निराश थे। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा, युवराज हार न मानने वाला खिलाड़ी है। वह दोबारा अपनी फिटनेस पर काम करेगा और वापसी करेगा। शबनम सिंह ने एक चैनल से बातचीत में यह बातें कहीं। उन्होंने युवराज के भविष्य को लेकर भी बात की और कहा कि किसी को यह पूछने का हक नहीं है कि वह कब रिटायर हो रहे हैं। युवराज को अब कुछ साबित नहीं करना है। वह विश्व कप जीतने वाली टीम

का हिस्सा था और पिछले साल आईपीएल जीतने वाली टीम में भी था, लेकिन खेल के प्रति उसका प्रेम ही है जो उसे देश के लिए खेलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जब युवराज को लगेगा कि उसे रिटायर हो जाना चाहिए तभी वह रिटायर होगा। शबनम सिंह ने विराट कोहली के कप्तान बनने के बाद जिस तरह टीम फिटनेस पर ज्यादा ध्यान दे रही है, उसकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा जब फिटनेस मानकों की बात आती है तो ये मानक सबके लिए एक जैसे होते हैं।

मैसी के चार गोलों से बार्सिलोना की ऐबार पर एकतरफा जीत

बार्सिलोना। लियोनेल मैसी के हैटट्रिक समेत दागे चार गोलों की मदद से बार्सिलोना ने मंगलवार को ला लीगा मुकाबले में ऐबार को 6-1 से हराया। बार्सिलोना की यह इस ला लीगा सत्र में लगातार पांचवीं जीत है। बार्सिलोना की तरफ से मैसी के चार गोलों के अलावा पॉउलिन्हो और डेनिस सुआरेज ने एक-एक गोल दागे। ऐबार का एकमात्र सांत्वना गोल सर्गी एनरिच ने दागा। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रीयल मैड्रिड पर सात अंकों की बढ़त बना ली है। मैड्रिड को अब बुधवार को रीयल बेटिस से भिड़ना होगा। यह मैसी के करियर की 43वीं हैटट्रिक है। मैसी ने 21वें मिनट में पेनल्टी पर गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। पॉउलिन्हो ने 38वें मिनट में गोल दागते हुए बार्सिलोना को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद डेनिस सुआरेज ने टीम का तीसरा गोल दागा। इसके बाद सर्गी एनरिच ने गोल दागते हुए बार्सिलोना की बढ़त को कम किया। इसके बाद मैसी ने तीन और गोल दागे और अपनी टीम को 6-1 से आसान जीत दिलाई।

बारिश डाल सकती है भारत के विजय अभियान में खलल

कोलकाता। आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले एकदिवसीय मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अपने विजय अभियान को यहां भी जारी रखना चाहेगी। लेकिन, ईडन गार्डन्स स्टेडियम में गुरुवार को खेले जाने वाले इस मैच में बारिश उसकी राह में रुकावट बन सकती है। यहां पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश दूसरे मैच के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। इसी कारण बुधवार को दोनों टीमों का अभ्यास सत्र भी नहीं हो सका। मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना भी जताई है। ऐसे में एक बार फिर चेन्नई में खेले गए पहले मैच की तरह कम ओवरों का मुकाबला देखने को मिल सकता है। चेन्नई में खेले गए पहले मैच में भारत ने अपनी पारी

के पूरे 50 ओवर खेले थे लेकिन आस्ट्रेलियाई पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई थी और काफी देर मैच को रोकना पड़ा था। इसी कारण मैच को 21 ओवरों का कर दिया गया था जिसमें भारत ने आस्ट्रेलिया को 26 रनों से मात दी थी। ईस्ट जोन के पिच क्यूरेटर आशीष भौमिक ने कहा, हमें मैदान तैयार करने के लिए कम से कम दो घंटे धूप की जरूरत है। हमारे पास सभी साधन मौजूद हैं। अगर विकेट को ज्यादा समय तक कवर के अंदर रखा जाता है और उसे धूप नहीं मिलती है तो यह तेज गेंदबाजों को शुरूआत में मदद कर सकती है। ऐसे में मेहमान टीम को फायदा हो सकता है। उनके पास नाथन क्लटर नाइल हैं जिन्होंने पहले मैच में शुरूआत में ही तीन विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। इन तीन विकटों में भारतीय कप्तान विराट कोहली का विकेट भी शामिल था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फिल्म 'गोलमाल अगेन' का मोशन पोस्टर हुआ रिलीज

बॉलीवुड फिल्म 'गोलमाल अगेन' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। एक्टर अजय देवगन ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका टीजर लिंक किया है। इस टीजर में ट्रेलर की रिलीजिंग डेट भी रिवील की गई है। बता दें कि अजय ने 'गोलमाल' में गोपाल का किरदार निभाया है। रोहित शेट्टी के डायरैक्शन में बने इस सीक्वल में अजय देवगन के अलावा पुरानी कास्ट यानी तुषार कपूर, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े और कुणाल खेमू तो हैं ही। इनके अलावा परिणीति चोपड़ा और तब्बू भी नजर आएंगी। ये फिल्म इस साल 20 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है।

सीबीएफसी में एक जैसी विचारधारा वाले लोगों को देखकर खुश हूं : विद्या

बॉलीवुड एक्ट्रैस विद्या बालन CBFC की नव नियुक्त सदस्यों में से एक हैं और वह इस बात से खुश हैं कि बोर्ड में समान विचारधारा वाले लोग हैं। हाल ही में मशहूर गीतकार प्रसून जोशी ने सीबीएफसी अध्यक्ष के तौर पर पहलाज निहलानी की जगह ली थी। सरकार ने बोर्ड का पुनर्गठन भी किया जिसमें फिल्म निमार्ता विवेक अग्निहोत्री, नरेंद्र कोहली, वानी त्रिपाठी टिक्कू, गौतमी तडिमल्ला जैसे नए सदस्यों को भी शामिल किया गया।

सीबीएफसी का हिस्सा बनने के अपने फैसले के बारे में पूछे जाने पर विद्या ने कहा, मैंने सोचा कि अगर मैंने इसे हां नहीं कहा तो मुझे सीबीएफसी द्वारा लिए गए किसी भी फैसले की आलोचना करने का अधिकार नहीं होगा। मुझे लगा कि मैं इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए तैयार हूं। मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहती कि हमारा रूख क्या होगा या हमारे फैसले किस पर आधारित होंगे। लेकिन हाल ही में हमने एक बैठक की और मुझे अच्छा लगा कि बोर्ड में सभी समान विचारधारा वाले लोग हैं। अभिनेत्री गत शाम नए चैनल एंडप्राइव एचडी के लॉन्च के मौके पर बोल रही थीं।

इस एक्ट्रैस को है ड्राइविंग का है बेहद शौक लेकिन नहीं बना लाइसैंस !!

बॉलीवुड इंडस्ट्री में ऐसे कई स्टार्स हैं जिनको ड्राइव पर जाना यां करना बेहद पसंद है। इनमें से ही एक एक्ट्रैस इलियाना डिक्रूज हैं जो खुद ड्राइव करना बहुत पसंद करती हैं। कहा जाता है कि कई बार ऐसा हो चुका है कि वो अपने ड्राइवर को पीछे की सीट पर बैठने के लिए बोलती हैं और फिर खुद ड्राइव करती हैं। हाल ही में अपने इस क्रेज को लेकर इलियाना ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बताया है कि जब मैं तेलुगु फिल्मों में काम किया करती थी तो ज्यादातर समय हैदराबाद में ही रहती थी। उस समय मैं खूब ड्राइव किया करती थी। मैं ट्रैफिक में भी आसानी से मैनेज कर लेती हूं और वो भी कार पर बगैर स्क्रैच लगाए। वहीं, जब इलियाना से पूछा गया कि क्या वो मुंबई में ड्राइव करती हैं तो उनका कहना था, बिल्कुल नहीं, मेरे पास ड्राइविंग लाइसैंस नहीं है, इसलिए मैं मुंबई में ड्राइव करने से बचती हूं। मैं अपनी यैलो बम्बलबी जो कि उनकी कार का निकनेम हैं। वह उसे बांद्रा वर्ली सीलिंक पर ले जाना चाहती हूं लेकिन लाइसैंस बनने से पहले नहीं।

राम रहीम पर बन रही फिल्म की शूटिंग शुरू

सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने साध्वियों से रेप के मामले में राम रहीम को 20 साल की सजा दी है। वह इस वक्त हरियाणा की रोहतक जेल में बंद है। हनीप्रीत सीबीआई फैसले पर भड़की हिंसा के बाद से ही गायब है। फिल्मी पर्दे पर हीरो की तरह नजर आने वाले डेरा सच्चा सौदा के अध्यक्ष गुरमीत राम-रहीम के जीवन पर फिल्म बनने जा रही है। जिसका टाइटल है 'सिनेमा स्कैंडल, अब होगा इंसाफ'। इस फिल्म में राम रहीम की हनीप्रीत की भूमिका में नजर आने वाली हैं बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में शुरू हो गई है। बता दें कि हाल ही में राखी की एक वीडियो सामने आई है जिसमें वह हनीप्रीत' बन ठुमके लगा रही है।